

हिनियाकम् १वर शांठ भागा व

अकार्थ।

ीकां जा विश्व विमागनय अदिशार्थि-विमार्शिकित्सह

সাহিশয় সুল্ভ জন্য ১

श्री जूवनहस्त वमाक।

হৰ্ক প্ৰণীত।

কলিকাতা।

শ্রীবৈকুণ্ডাথ দাসের অনুবাদ মন্ত্রে মুদ্রিত হইল। যোড়াসাঁকো বলুরাম দে ইন্ট্রিট, নং ১।২ আটী।

পুত্র পুত্রিক মহাপাষ্ট্রা উক্ত মন্ত্রাক্ষণ, পুরুষ্টের বা পুরুষালয়ে ক্রম প্রিলে নিশ্চয় প্রাপ্ত হর্ম প্রাপ্তির বা ক্রম ২২৬৬ সাল্লি

240 · 44 1 1 1 1 1 1 1 1

বিজ্ঞাপন।

কলিকাতা বিশ্বিদ্যালয় প্রবেশার্থি ছাত্রদিগের পরীক্ষারার্থ যে সমস্ত বাঙ্গালা গ্রন্থ নিধার্য ইইয়াছে। তৎসমৃদয়ের শকার্থ অতিশয় কঠিন। কারণ বিদ্যানির্গিদিশের প্রতি অতিশয় কাঠিন্য গ্রন্থ প্রদান করা বিধেয় নছে। বিশেষ বঙ্গ সাধুভাবায় শকার্থ উত্তমন্ত্রণ জলাত না ইইলে উত্তম রূপে বোধগম্য ইইতে পারে না। ভজ্জন্য বিদ্যাধিদিগের সাতিশয় স্থলত জন্য প্রভাক অসহজ শক্ষের শকার্থ লিখিত ইইল।

পাঠকবর্গের প্রতি সবিনয় পুরংসর নিবেদন করি তিছি, ছাপাযন্ত্র জন্য পুস্তক মৃদ্রান্ধণে সমৃতিশন্ত বিলয় হিলয় হুলভার্থে জনবধানে অতি শীঘ্র করিরা মুদ্রিত করা হইল; ভজ্জন্য দোঘাদোষ মার্জ্জনা করিবেন।

अञ्चर विश्व विश्

টেলিমেকস।

বিজ্ঞাপন ৷

অংহ

সুপ্রসিদ্ধ, সুবিখ্যাত । পরম, উৎকৃষ্ট। প্রাজ, বুলিমান। धांखिल, विमान। धार्मिक, धर्मनीन। **ए**रहानीन, (महेमगराः। অধিপতি, রাজা। निक, आश्वातात। भीख, भूजतभूच। व्यमान, पार्न्। উদ্ধৃত, ছুরস্ত। উচ্ছ শ্বল, অবাধ্য। मीजि, मह्रश्रामा। নিভান্ত, একান্ত। ষ্মনোযোগী, ত্মপ্রণিধান। **छे**नाशानक्टल, गरन्त्र-ছলনাতে | षज्ञारक्षे, षज्ञुखग। महाकाता, উखमला।

পরিগণিত, গ্রাহা, গ্রহণের যোগ্য। যাবতীয়, মত। অনুবাদিত একভা**বাহ্ই-**তে ভাষান্তর করণ । উৎকৃষ্ট, উদ্দম। উপকার, ফল। पर्भिए, कलिएक स्**रेटड**। কভিপন্ন, কভকগুলিন। অনুরোধ, উপরোধ! व्यृत्तं, नियुक्त। विलक्षन, विटमव। ক্ষরা, পারগতা। তদীয়, তাহার। **চম**ৎকারি**জু**, यम्खात्र **धां**-∉ রা আকর্যাহইতে হয়। मत्नाशतिख्, यमखर्वत बा-রা মনকেহরে । तकाकता, बकायताथाः

भक अर्थ (२) भक अर्थ

मवित्मव, वित्मव। পর্যালোচনা, সর্বতোভা-বে আলোচনা। मुबन्बाभात, किनिविषय। रखार्भन, नियुक्त। क्तिरम्ब, कि हूमूब। **छः मा**धा, याहाटक नुःत्थटङ সাধনকরিতে পারাযায়। অংযুৰসার, যত্নকরায়, উন্যা-্মতায় 1 সন্ধু ঢিত, উৎক্তিত। मश्मग्राताकिटङ, मरन्द्र-ें मुख्यस्य । আপততঃ, একংগে। मृत्थयः, चाषित्रुखक। चेशहाशी, (काबी। मर्कात्व, मर्किष्टादन् । निर्किवादमः निद्धरः। वापत्रवीय, शृक्षनीय। लिकिङ, हिक्डि। विमन्नवहरन,नमी भू ७ वारका। वानिक्छनीय, वाकाछीछ। অকিঞ্চিৎকর, ৰাহাতে কি-कुरे रुग्न गा।

প্রত্যাশা, আশার প্রতি,
ভরসা।
উল্লেখ, উপরে যাহা লেখা
হইরাছে।
তাৎপর্য্য, অভিপ্রায়।
সকলত, সংগৃহীত।
আদ্যোগান্ত, প্রথম অববি
শেষ পর্যান্ত।
সংশোধন, শুদ্ধা।

উপাধ্যান, গণ্প।
আরন্ত উদ্যোগ।
পূর্ববৃত্তান্ত, পুরাতনবিষয়।
থ্যবস্ত, জ্ঞাত।
বোধগম্য,বৃদ্ধিরন্তারা জ্ঞান
প্রাপ্ত।
সংক্ষেপে, অন্পে।
বনিত, রচিত, স্বিশেষ
কথিত।
অন্তঃপাতি, মধাবর্তী।
উপন্থিত, উপনীত।
তত্রতা, সেই স্থানিছিত!
অভ্যাগতোচিত, অতিথিরউপযুক্ত।

সংকার, মান অভার্থনা। मगानत, आमत्। वादीम, दामञ्चान । লবন্ধিতি, বাস। মহিনী ওাজার প্রধান দ্রী। ভৎক[লে: সেই সময়ে। भूम छला, शृथिवीएछ। येथे भावनाव ी, वाश्विति 一部川 मुल्हती. नाजी। সাতিশর, অত্যন্ত। মদ্রাব, উত্তয়তাব। প্রাণ্য, প্রীতি। কার্য:নশভঃ কর্ম্মের জনা। অনুগরিতি, অনাগত। জ্পতরণপর্বক, চুরিকরিয়া। शहाशान श्रञ्जान। প্রত্যাগত, পুনরাগমন। অদুষ্টচর, অদর্শনীয়। ভান্ততপ্ৰা,পুৰ্বোনাশুনিয়া। ক্তযুক্তা, অনুপকারজ্ঞতা, উপকার না মানা। বিশাস্থাতকতা, বিশাসনা– শক্তা।

কুপিত, রাগান্তিত। অভিযোগ, অপরাং দকল যোজন | अञ्जानवन्द्रक्ताः नुनतात्र স্থানিবার জনা। ममंजिकाहोद्य, मदक्र। কৃতকার্য্য, সকল ৷ প্রাণবধের, প্রাণনাশের। विधिकल, जारत।। डिमाम, উদ্যোগ : প্রত্যাগত, ফিরে আসা। नर्का "८म नर्खणादन १ প্রচারিত, প্ররু শিত। নরপরিগণ, রাজাসমূহ। खशम:न, अभर्गाम।। नर्वनाथां तर्वत, नकन रना-নমুচিভ,উচিত। কের! কৃতিনিশ্চয়, নিশ্চয়করা। প্রতিফল, উপযুক্তশান্তি 🌓 षमः थारेनग, षशाहरम् । वक्ष मस्त्रीस সমরপোত, দক্ষিত ভবিত। (জাহাজ। আক্রমণ, বিক্রমে উপস্থিত, ব্যাপন।

मःश्राटम, युट्धा নিপতিত, নিশ্যুপ্তিত। ভসাবশেষীকৃত, অবংশ-বে ভশাকরা। मीर्घकांनीन, रक्षमन। थानजान, व्यानविद्यान । **অবশি**ষ্ট, উদ্বত, বাৰ্কা ৷ হতাবশিষ্ট, মৃত্যুহইতে ধা हाता वाहिता हिल। द्राष्ट्रधानी, स्वज्ञादन हाकात বাসস্থান। অৰ্জীত, গত পিতৃপ্রায়ণ, পিতৃতক্ত। অনাগমনে, না আসাতে। यৎপরোনান্তি, याর षाद नाई। खेंदक्षिठ, शाकुलिछ। धातुमकान, अध्ययन। কভিন্ন, ব্যকুল चाटेश्याः देश्यात्रहिक, च-महिसा । অস্বেয়ণার্থ, অনুসন্ধানের क्ना। পিতেন।

নিগত, বাহির ! निवादन, निवृত्ति। विख्रम्।, विषात । আৰিভূত,হঠাৎপ্ৰকাশিত আকার অবলয়নপূর্বক, ৰূপ-ধারণ করিয়া। অসাহদিকতা, আসাধ রণ সাহস সম্পন্ন। অবিষ্ধাকারিভার, অবিবে-हमात् । পিতৃবৎসল, পিতার রাগী। স্নেহ্বশীভূতা,স্নেহ্পর্বশ अञ्चल, मञ्जी। **अ**त्थर, नरा, ७ कि । छे भएतती, जाभकाशी। পোতবঙ্গ, অর্থমানভঙ্গ। कलमधर्हेटलनः जूटवर्श-(लन १ পুর্বোক্ত, যাহা পূর্বে বলা **क्ट्रिगट्ट**ा উপ্নীত, উপস্থিত। कलक्षाव, এक थेंध क्षि। क्ष्मिक्तिक्त , जान का जाइनामिका, जानिस्का।

श्रीनिश्रह्न, विवाह। 📖 📋 थ्यवन, वनवान 📒 কান্যাপন, কালফেপণ। মশভ, স্বীকৃত। चटनगाञ्चात जाजात्मरणहः इहेश्रा! প্ৰতিভাৱে। প্রতিমারা ৷

সহ্বাস, একত্রেতে রুসতি। অশেষপ্রকারে, অনেক প্র-अकारत। । প্রলোভিত, স্পৃহায়িত। অমরজ, চিরস্থায়িত্ব। প্রাণায়পাশেবদ্ধ হইরা, প্রী-व्हितरयोदन, वित्रकालयुवा। তির স্বৰূপ জালে আবন্ধ শোকাভিভূত,ছঃখেতে জ-পরিবার স্বেহ, পরিবারের- শান্ত, ফান্ড। 🥻 ড়িত। ' স্থান্থির, স্থির!

প্রথমনর্গ।

दित्र इ. विटक्स। কাভর, ব্যাকুল, चारमभ्य, कुःशं যন্ত্রণা, ক্লেশা जुश्मर्, ष्यम्। পরিত্রাণ, রক্ষা, মুক্ত,ত্রাণ। भोनावनमन, भोनाधात्र। भूनं हरका। ্বাক্যালাপ, কথাবার্ত্তা।

পরিচারিক।। সেবিক।। थ्यभूमता, मृडकी। নিত্র তর। मगीदभः निकटि। মন্তায়ণ, কথোপকথন-আ-লাপন ৷ मठठ, मर्खना। অঞ্জপুর্বনয়নে, অঞ্জতে পরি উপর্নবন্তী, বাগানের নি-কট। তরু, রক্ষ !

অবিরত, ক্রমাগত। কর্ণ, হাল। নবপল্লে, ফুতনপাড়াভে। হ্লেভিড, শোভাগুক। অধীর, অস্থির। दर्माकार्यरमान्यमान्यभ, जा- नामगी, वञ्च। পনার শোক নই করি-रात हेकात। क्रमनः পर्याप्टेन। বিরহানল, বিজেচ্দের স্ব-ৰূপ ছাগ্ৰি! मिक्शिंड निक्क्षीशिंड। अमीयः मीखिविभिके। किद्धानिएउद्ग नाम, चा-ক। ছবির মত। निष्णेन्त्यव्रत्न, श्रितहेत्क। অর্বভীরে, সমূদ্রেরধারে। বহিভূতি, নিগ্ত। निशीकन, अवटनाकन। नस्नयुगल, पुरे एक्। ष्ववित्रं , नितंस्त्र । ৰাম্পারি, চক্ষের জল। বিগলিত, নিগ্তা সমুদ্রতটে, অর্থতীরে ! রক্তু, দড়ি।

त्कतानी, भाषा वर्गयान मयकीय, काशक मन्त्रकीं वा ञन्छिष्ट्र, निक्टि। धर्नवश्चरोद्य, करनव त्राटा किश्रहकन दिष्ट्रमगत्र। स्वत्यस्यः, स्वित्रहाकः। नितीयन, मर्गन। माष्ट्रभाः, जभगाः। অব্যাহত, আঘাতরুহিত। निकृषः, नीष। लघू, भीठ। सुख्ते । , कन्न एक, कार छ र । भवातम, जातमन। (बुःश। বিরহ সন্তাপ, বিচ্ছেদজন্য-निवातन, छूत, निवृष्ट । मृत्रवन्त्रीः मुर्फिन्मा । वाद्यिकिदल, जिल्लिसमा অগুসর, অগ্রগামী। ভাষ, ছলন। অনুমতি ব্যতিরেকে, আ-छा विम्।

সমুচিত, উটিত। অনির্বেচনীয়, বাক্যের অ- শৌর্ষ্যে, প্রতাপে। (भाष्य। আনুরিক, মনোগত। (जायन, अधा ক্রিম, মিখ্যা। जिल्लात, उर्मगा। সুস্পর্য, পরিস্কার। আকারোপলিক্ষতা, আ-় কারাশ্রিত। गानवीर, गनवारे। প্ৰিণমন, প্ৰস্তন্ন সমূহ। বালুবেগবশভঃ, বাভাদের জীবিতাশয়ে, বাঁচিৰারই তৈজ জন্য ৷ বিদজ্জন, ত্যাগ। (ছোর। সাগরগরের, সমুদ্রের মধ্যে সহায়, আশুর। मक्कि विश्वन স্থল, ব্যাক্ল। कक्षि , मगुजा তরঙ্গ ঢেউ। चाज्रममर्थन, कीरनमान। े टेपवपुर्वि পाक्यभंडः, टेप-वघिष्ठ कर्माकना। ে সৌভাগা, উত্তম ভাগা। অধিকার,স্বামিজু।

অবরুর্দ্ধ আটক। অপ্রতিহত, অধ্যতিত। প্রভাবে, প্রভাবে। স্বিখ্যাত, বিখ্যাত। নিপাত, নট। | প্রত্যাগনন ভিলাবে, ফিরে আসিবার ইচ্ছায়। অধিক্ত, আরোহিত। পান্ত, পথিক। मैश्यान, मनाजाहा 🤲 निर्वस, निर्म्डस। अमर्भरम, अनवदलांकरम শোকাকুল,শোকেতে বা কুল। कननी, गाटा। भूनर्फर्भात, भूनर्कात व्यन লোকনে। নিরাশ্বাস, ভরসা রহিত षरहाताल, निरानिन। शर्याहेन, ज्यन !

नेस अर्थ (४) नेस

मुर्जाका, मुक्तमा । ব্যেশ, তত্ত্ব। কুক্ষিণত, কালপ্ৰাপ্ত। ভবিবাৎ, **हार्श इहरत**ा वर्द्धान, योश्रीशटा आहि। অবিজ্ঞাত, অজানিত। हेर्रेश । সাগ্রারবি, স্মারপর্যাত। विकासान, दर्जभान । वामर्भन शयः, मृज्या। বাগিতা, বক্ততা। विक्छण, क्षानण। মোহিত সৃষ্ধা. অবিতৃপ, তৃপ্তিরহিত। ष्ट्राम् श्रीन, खना। অবগত, জ্ঞাত। 🕝 नुशिष्ठ, नुम। विकान, निकान। नुष्रानन्त्रापाँची, मरनंत्रजा- 🖟 निकटि। 🛴 🥕 खारजांगी। বন্ধা, আত্মেছা।

সহবাস, একত্রেছে বাস-श्राम । शूर्वरयोवना, नद्युवि । कुछ, य नमझ निहात्ह । समुशानिनी, जन्त्रे शन्ता-যুক্তান্ত্রী। মধুরভাষিণী, মিউবাকা, वाषिनी। ध्यमम्हरेशा, जनुकन्धवान- यस्ताजिम्रस्थ, जाननात वामकारनसमित्का অনুপম, অতুল্য া 🕓 नावगा, कारि 🗁 🦥 আলুলারিতকেশপাশে, এ-लहुल मगुरह। ठिएला, रक्का। मायुती, भयुत्रछ। : মোহিত মুগ্ধ। पनुशीमी, मरहत । ्रभीनावलशी, हूलकतिश থাকা। बावाम, वामञ्चाम। 💛 व्यापामृष्टि, मिटटंगू मर्भाम कम्हतमभीद्रभ, शर्वाद्वत, ञ्चर्न, त्माना, वन রজত, রৌপা।

সুচারুপ্রস্তর, উত্তম পাথর। ত্মশোভিত, স্বসঞ্চিত। ন্তন্ত্ৰ, থাম সুঘটিত, উত্তম গঠিত। প্রতিমূর্ত্তি, আকৃতি। অভান্তর ভাগে, মধ্যঅংশ। শব্দ, শাক। শ্ৰুক, শামুক। অভিনব, মূতন। উপল্থত, প্রস্তর খণ্ড। মণ্ডিত, শোভিত। मण्यामन, निष्णामन। শীতলম্বান্ধ, মনোহর গন্ধ। मन्दर संकात-जन्म २ न १ कुम । ভत्रक्षिती, नमी। वार्वतिनाम, वर्वतभाषा চৈভুর্দিক, চারিদিক। शामशमगृर, तृक मकन। বিকসিত, প্রস্ফুটিড। সম্মা, পর্ম শোভা। मर्मदनिक्षा, ठक्षा অনুভায়মান অমভেরমতন। সৌরভ, সুগন্ধা

চরিভার্থতা, সার্থকতা। পরিণাম, [†]শেষ। কুসুপরিণাম, ফুল হইয়া গেলে অমৃতাসাদ পরিপুরিত, সু-ধারন্যায় আন্থাদনে পরি পুরিত। कल धनत करत, करलाई शानन करता ष्यमूर्य न्यार्य । द्वर्यात्य थात्न, (मथा यासना ज्ञाति वाकाल। বিহলম, পদী। শুতিমুখবাহ, শুনিত্তে जात। জলপ্রপাত,জলপরা, ঝমা। श्नि, भक्। শ্বণ গোচরহয়না, শুনি-তে পারা যার না। আতিশ্যা, অতাস্ত। আন্ত্ৰৰক্ত, ভিত্তেকাপড় ममरक, माकार्डाः দ্রবীভূত, আর্দ্র যুক্ত। षाजिनव, नृजन

कलक्का निवक्तन, जटन, . (डावाटक करते में ... काञ्चित्र भगीत्। त्यम् । देवकृताः विकल्छ। । । । ্রেচারপরিচ্চদ, উত্থবস্ত। क्षितिहर, सीमार्गा আপাত সনোঃম, তাংকা, িলক মেনোরপ্তন | 🦠 **अ**भिति संग्रमनी যাহার ्राय हरा मा महना, क्रीर् , भांक्षे, भार्कविष्ठ, कृड, ু আক্ষ্ণী। খুদ্ধ, নোহিত। ७९ मन्तः, निमान স্মাদক্তি, রঙ্গ 👉 🦠 ষ্পতিবল্তন, কাটান। 🐃 मदेशशांबनभी, छेछमनथा-Total land প্রায়ুরক্ত, আসক্ত কিলেন क्षरिगन्ति, समस् । व्यक्त विताक्षति, जाति। नामानीकः वनमा श्रीका वाहिका विश्वाकी काशास वाह्य चकां छत्। जन जाटम।

ज्ञान शाल। পরতন্ত্র, পরাধীন। कक्नीज हिट्टा, स्क्रांज मटम কেশবিমন্ত্ৰাৰ্থ া প্ৰবিশ্ব শেহ করিবার স্থা गर्तनाम, मकन मख्य हें छ, चिक्कि 🦟 😁 ' ध्वरून, यामविष्णका 💯 ভদপেক্ষা, তার চেরে 🕒 यात्राविनीत्र, बाग्रामुख नाशीत्। 🖟 🚉 🥬 निकाष, निमाश्या । " মধাসক্তি, সুখেতে রত। भग्र छल्म, धर्म नर्छ। उरमम्भा, जंदक्षा 🖟 অনিভগাত 📫 ্ অপকার 'क्ट्रेगाর। 🕬 योवन कात समझ । योवन ानगरम सूर्यनाम् । कि व्यक्तिमानवन्य दः, ामादन STATE OF THE PROPERTY OF निताशनः भागन तरिकन

व्यमनिस्थनिहिट्ड, व्यमन्तिक मटन । অমুনোদন, অন্তোষ প্রকশি। গতক, আবধান। क्रमदेविहित्व, व किंग ल कादत । কুমুমছন্ন, ফুলেতে আক্ষা-দিত। जूककी, कालीश मर्भ। विषकलम, विषय कन्मी। অনুসারে, অনুযায়িক। कम्मृवजी, छाराह শচাঘতী। शतिरङ, यनगा षात्वधविध, ग्रांभाधकात। रेजादभद्रम, अहमद्या। दीनातानन, दीदावाजिया। रिविविवियसियी गीड़, नाना প্রকার গীতারন্ত। गीं बहुत , शंभन क्रल। অপ্রতিম, অতুলা। **जूरोंगी, गटवर्छ।** বৰ্ষণ, পত্ৰ। विषदम, मद्रश

সুধাকর, চন্দ্র। ভোজনেবিরভ,আহার কর-ণে কান্ত। সক্ষেত, অন্যের অগোচরে धन्न (दांधक कथा। नरकार, गुरू। **अक्टिंग, निर्जनकाटन।** কীদুশ, কিপ্রকার। अनम्भर्भ, भाषित्यहात्रा, মারাণ। फ्रिंस, (मानधाथ। অনুগ্ৰহভাজন, দ্যারপাত। चसुग्रींड, महाविष् धुःश দূর ক্রণেচ্ছুক। লোল্প,লোভযুক্ত,ইচ্ছুক चेम्म, अहे खदाता অমূলভ, অসহ্জ। लक्ष्यन, नीधा। দম্মত, স্বীক্নত! ভৎসহিত, তাঁহার সঙ্গে 🕆 यि धिरहाइन, प्यारह्न । া আবিভূতি, মগু। । ভাৎপর্যা, অভিপ্রায়। প্রতাবিত, প্রসঞ্জিত।

मविद्याय, विद्यासक्तात्र। (मोजना, मण्डा, सुजनजा। কুটিলতা খবক্রতা। নারবার্ত্তা, নিওচ্চতত্ত্ব। ছर्निवांत, धनिवांत्व। শোকাবেগ পরতন্ত্র, তুঃখ ত্বালায় বণীভূত। विषव , विषय नाम । मध्यन, त्नव। नगर्थ, পারগ। ছাতঃ, শেষ। শোক্ষাত্র প্রবণ, শোক মাত্র তৎপর। নিবন্ধাতিশয়ে, সম্পবের নিশ্বর ক্রার্য্যান্তিশরে। অভিপ্রেতসিক, মনোনীত অনুরক্ত, রড। (সিদ্ধ ব্যগ্ৰহা | উৎসূক্য, বিস্তৃত, অনেক। অমুর্ক্ত, উপরোধ প্রাপ্ত। উল্লন্তন, তাছিলা। ৰহিৰ্গত, বাহির। चञ्चरक्षम वार्डा, चरब्रवन विश्वमानकातीनिशतक, चन्न-রহিত কথা।

পাণিগ্ৰহণাভিলাষে, বি-वार कतिवात रेष्ट्राप्त। গতায়াত, বাতায়াত। আকম্মিক, হঠাৎ। বিশাগাপন, আশ্রহ্যান্থিত धानक्षक, ठेक। ব্যক্ত, প্রকাশ। मः भग्नदाक्ः, मिक्सं। क्लिनेवर, हृश्यमात्रक। প্রতিকুলবায়ুরশে, বিপ-রিত বাতাদের জোরে। নীত, প্রাপ্ত। ছ্ঃশাহণিকব্যবসায়,অভান্ত भाइरमत क्या नवमारमानी, मसुषा मारदम কুপিত,রাগন্বিত। (রন্ধ विनके, नकेत्रहिए। প্রিয়পাত, স্বেহভাজন 📑 विशम, आशम। প্রত্যা বর্ত্তর, ফিরে আনে। নিয়তিক্রমে, ভাগ্যক্রমে। পরলোকবাতা, মৃত্যু। া মান কারীরা।

সমূচিত, উচিত। বিবাহার্থী, পাণিগ্রহণা-ভিলাষী। ছুবাত্মাদিগকে, ছুফলোক সকর্লকে। वृक्षिकोभन, वृक्षित क्रमा । ज्याहा, ज्यारम।। ভাবিনুষ্যকারিতা, অবিবে কিঞ্ছিৎগাত্র, কিছুম ত। हना । অবিয়ক্তচিক্তে,আনন্দমনে। তিলমিত্ত, তার জন্য। অভিমত, মানস। বিশার, আশ্রহ্য। দৈৰপ্ৰভাৰদম্পন, দৈৰ- উদ্ধৃত্য, জড়গুণ সহিন্দৃতা। বলে নিষ্ঠান। নির্ছারিত, নিশ্চিত। ভাব, মনিস। जनवन, माश्या। मिगिलिबीशाजिमूर्य, मि-निलिव मिरक। বাত্যা কড়। বিদ্যুদ্ধি, তড়িতাগ্নি। পরিতাণ, সুক্ত। পোত, জল্যানা नमाक, উত্তম। (जना। । निवामीता। অকুতোভয়ে, নির্ভয়চিত্তে। নিঃসন্দেহ, নিশ্চয়।

সাহস, ভরসা। ভদন্তর, তার পর। অবিচলিভচিত্তে, স্থিরমনে। कार्या कम, कार्यात्व অপারগ। ज्ञेषर, जन्म। ইফমিদ্ধি, অভিলাষসকল। অতিকান্ত, সুক্ত। তৎপ্রতিবিধানে, ভাহার প্রতিব্যবস্থা করণে। অভিভূত, আচ্ন। वक्किछि, मत्नाकुःथ ना কবিয়া। সরলভা, সাধূতা। মহারুভাবতা,মহারুমানতা। গগণমণ্ডল, আকৃশিমণ্ডল। ওদ্বত্যবশতঃ, দোরাত্ম্য- ট্রোজনেরা, ট্রদেশীর

श्रुत करा। কিঞ্চিদ্ধরে, কিছু অন্তরে। বে আলোচনা। लका, दिव विद्र। 'व्यविनयः, भीषु। नाविक, भोकाबाहक। माश्रार्थ। অগত্যা, অনুপায়। ় অধীন, বনীভূত। নীত, আনীত। আয়াস, যতু। 🔻 অবস্থিতি. বাস। পরিহারার্থ, ত্যাগ করিবার শ্রেষকর, মঙ্গাদায়ক। অন্যান্য, অপ্রাপর। 🔰 দার জন্য। উন্তীর্ণ, অতীত। । বিধান, বাবস্থা, নিয়ম। থাম, বাসস্থান। ্বরং, বর্ধ্যা ८ममाच्यीत, बनाटमगीता (नगीत ताका। স্থির, নিশ্চর। প্রতিজ্ঞা, পণ। পারিচয়, আত্মবিবরণ। তাবৎ, সমুদয়। আদেশ, আজ্ঞা। বিদেশ, অন্যদেশ।

বারুবেগবশাৎ, প্রবল বা- অধিকঢ় আরোইন। গ্রেছন পর্য্যা লোচনা, সর্বতোভা कक् न, करे। व्यक्ताजन, व्यवनाक। উপক্ল, তট। শক্তি महकारत, वरलत अमाजिश्राय माधरमा नि-মিভ, কুমান**ন** দিজির 'अनिवर्षा, अनिवातन। अत्रत्या, वरन। (अना। शैन व्यवसाय, नीक ननाय। ভয়ানক, ভরদ্ধর। সর্বভোভাবে,সম্পূর্ণকপে। ভीया, ভয়ানক। (জন্য। অপমানজনক, অনুর্যা-অভিসন্ধি, মানস। ইথাকাধিপতি, ইথাকা

शर्यादेन, जुनगा ক্ষান্ত, নিৰ্ভ। অভিথেত, মনোনীত। राडितिङ, विमा। জীবন ধারণ, প্রাণধারণ। **१ खंद**, यादाक हुः थ्यं छ वह्न क्वायांत्र। তত্ৰস্থ, সেই স্থান স্থিত। दक्षाधाविष्ठे, जाभगुक्छ। ধূর্ত্তা, শঠতা। मद्रायनशतन, तार्शयुक्त हरक शानमः हात, जीवन नके। শোণিত, রক্ত। ্রতগণাদি, ভূতাদি। েরিভুন্ট, সম্ভন্ট। বিধেয়, **কর্ত্তবা** ্প্রন্তাব, প্রসঞ্চ। रुमाधिमिक्ति, भाभान जु-পরিতপ্ত, সম্ভুষ্ট। (মিতো উদ্দেশ্য, অভিপ্রায়। আগ্ৰহ, ব্যগ্ৰা। ञ्रुश्मी, यदश्ये। व्येमश्या, खगानुवान। (कानाइल, कन्ना

उम्यूयाशी, (भई यड। বধাবেশ,নন্ট করিবার বেশা ममाधान, मन्यान। ८४मि, योधा मित्र अमं छेछ অননর, তার পর। হোন। गक्रीय, युक्त मन्नकीय। থাসা, খাঁড়া। উৎक छे, विषम। আগ্ৰহ, ইছা। শোচনীয়, শোকের যোগ্য काकृषा, ममश्रठा। প্রশান্ত চিত্ততা, স্থিরমনে। अनर्भन, पर्भान। जमािं, बाजवावि। टेगमवावया, निस्काता। कांक्टवात, मशात। অন্তঃ, শেষ! व्यवश्चि, भरनार्याशी! আসন্ন; নিকটাগত। সতক্, সাবধান। কালতয়ের, তিনকালের। निवाष्ट्राक, मजल नव्रत्न। जल्ला कारमत नगात, जल्लात व्याउत नाग।

लुकेन, लूठेकता। অহিতাচার, মনদ্ব্যবহার। নিবারণে, নিবৃত্তি। গ্ৰামস্থ ৷ छन्धमञ्, निद्विन्छ, खद्विन्छ। र्जावरामुहना, जाविकल्लाना जताकीनं, वृक्षाः ভাবি অনুষ্ঠান। অবিচলিত্তিতে, স্থির गरन। দৃত্তা সহকারে, কঠিন সাহার্যো । ৰথাৰ্থতাবিষ্য়ে,ন্যায়বিষয়ে অনুমাত, কিছুমাত। **रिन्धरम**|२कू**लनग्रत्म, प्र**|≁5- | খ্যান্বিভচকে। অভুল, व्यानक । লোকতিতি, মনুবোর মণ্ডিত, জড়িত। (অতীক। পরিত্রাণ, মুক্ত। কৃতাঞ্জলিপুটে, জোড়হস্কে৷ অপরাধ, দৌষ। ছবিনীততা, ছরাচারতা। भार्कना, क्रम ष्रपृष्ठीन, वाह्य।

স্থবিত, রহিত। निताकत्व, निवात्व। সজীভূত, ভূষিত। मर्काउः, मकन। ভয়কন্সিত, ভীতকম্পন। ধাবমান, পশ্চাৎবন্তী। (11) গৰু। নেধাদি, ভেরাদ। অবাক্ত, অস্পষ্ট। वार्खनान, मृःद्यंत मक। বাাকুলিত, বা**স্থ**। शृतवानी, षरःशृतवानी। ममधिक, अधिक। প্রতারক, প্রবঞ্চ । স্বকপোলকদ্পিত, আপ-নার মনের ছারা যাহা ৰুপানা করা হইয়াছে। অব্যবহিত, অব্যবধান বিশিষ্ট ৷ 🔗 वृक्षिमञ्जात, स्थानशाकात। পর্বতোপরি, পর্বতের উপর। निविङ्गं घन।

घनघोात्र मृশरम्य, (मध न-। मूर् जुला। व्रकांवानि, धूनामभ्र । উधिन, উঠে। **অনতিবিলয়েই, অতি–**্র উরস্ত্রাণ, তরবার। ञ्चाक, अकामा। (भीषुरे। अकत्र, याहा कत्र रस ना। धम्का, घुना। মমুচিত, উচিত। था छ। । वृक्ति। শৌর্য্য, বীরার। ভবিষাসূত্রনা ভাবিকপেন।। অত্তিতিত হঠা<। भगतः गुका। নিতান্ত, একান্ত, সাতিশয়। আক্রান্ত,জড়ীভত। (রূপে। িপংপাতে, ব্যাঘাত হই-। দৃষ্টান্ত,মুখ,রী, উপমা অলু েত্ৰয়, তুইচকু। বার। জ্যোতিঃ ভেজ। वातिष्ट्रंट, डेनश्र। গাঁকৈত, অহমুত। আবিভাব, হঠাৎ প্রকাশ-শিव, भन्छक। শিরস্তাণ, মুকুট। किएक्टल, दकामदत्र। ভল, অসুবিশেষ। বিপকাভিমুখে,শক্রদিকে

जताजीनं, वृक्त। करलवंब, (मर्। অপ্রতিম, অতুলা। मगीপवडीं, निक्छांबडीं। করাল, যুম্ করবাল, খড়্গ। প্রচণ্ড, ভয়ানক। मग्रिक, अधिक, अनुस्त া অত্যক্তিকণো, অলফিত-भारत । দৈনাপতা,সেনাপতিরকর্ম। হীনবীর্যা, শক্তি রহিত। তুক্, হেয়। वीर्याधिका, वनाधिका। ভল, বড়সা। े जिन्नात, वमन। নিপীড়িত, চাপাপড়ে। आंविनाम, भीवन नहीं। উন্মোচন, মোচন।

শব্দ অর্থ (১৮) শব্দ তাথ

विकश्री, जशी। জঙ্গল, বন। প্রত্যাবর্ত্তন, ফিরিয়াদেয়। আশা, ভরসা। অসধারণ বীর্যা, অসামান্য অবিলয়, শীঘ্র। শক্তি। পরাক্রম প্রভাবে, শক্তির । নিকটে। প্রভাপে । आभागदः नीष्ठणविष् । दार्थः निक्वतः। **(मटानूश्**हींछ, (मवडापि. विकल, निकात।

্ গের ছারা অনুকন্সিত। লেশমাত্র, কিছুমাত। সাজ্বামিক,সংগ্রামসম্বনীয়া আয়োজন, প্রস্তুত। व्याममा, जरा। অলৌকিক, আশ্রুষ্টা রাজস্মীপে, রাজার यांजा, शनना

व्यर्थ (১৯) भव 14

দ্বিতীয় দগ।

ভারীশ্বর, রাজা। নাম(জা, রাজা। षाद्वंदी. मधावर्दी। एकामी निगदन, (मरे (म- छिपकून, कून। दएकालाविष, अतिकानि लशंखा কোণাছিত, রাগাবিত। নিক্পিড. নিশ্চিত। ा पात्रिश्वाससूत्रात्न। भारताध्मव, महानमा। অন্যাতি, অধীরত। प्रकातिष्ठा, माहार्याचा। गाम्बार्किषम्। (इरेशास्त्र) याहा भागान C2(3) 5. প্ৰমান, ভাসমান। मिबिहिए, निक्षे दर्खी। जिंडिलुङ, घटेह्डना । প্রতীকারের, নিবারণের। অনুকূল, হিত্কারী ৷ বন্ধ, কারাবন্ধ। वातः वातः शुमःश्रूमः।

অবগত, জ্ঞাত। ধবল প্রবাহ, সেত্রোত। अविषे, विविधे। সের নিবাসী সকলকে। জলদমগুলের ন্যায়, মেঘ মণ্ডলের ন্যায়। যোগা। প্রতীয়মান, বিশাসের वर्छी छाव निवक्तन, कारा 'জুরে | रके जना। ্রাল্যানমনোপলকে, কি- শোকভিত্তে, দঃখপরা-कारधा खननानी, जनन भीय नर्लमः। उलानस्य वापादनं नगांश। ধনিজনপরিপ্রিতধন, ধন वादनत भतिभूवं यह । অনুপম, অতুলা। इन्गा पर्छि। निया। यूर्दार्भाश्यमभारमा । श्लीपन, वर्षवृत्ता मरमा १ विषि পরিণাই শোভ। শোভ সম্পন্ন, শোভাযুক্ত 1 অপ্রিমিত, অতুলা। প্রসব, উৎপাদন।

क्षांग, ठामी। পুরস্কার, পারিতোষিক। ियुठ, मनामर्यम। কাল্যাপ্ৰ, কালক্ষেপ্। অসঞ্চি, অভাব। शामार्शनिनातम, धाम জাত গাণের শব্দে! অনবরত, নিরস্তর। রাখাল, গোপালক। প্ৰতিশ্বনি, প্ৰতিশব্দ। চনংকৃত আশুর্যান্তি। উপকরণ, আহার সামগ্রী। নিদাশভূত, আদিকরণ। নরপতি, রাজ।। প্রধানভালন, ঐতির পাতা। विवाक्तान, अलागामान। ताजकर्मानुमाती, ताजक्या-सूयातीके। य्थं ममुक्ति स्थाद कि। धार्या निर्दिशाय, महा-নের মত। প্রতিপালন, রক্ষা। পরিতোষ, সম্ভট। मिकाछ, मीमारमा।

জাগৰক, জাগৰণ। অগণ্য ধন্যবাদ, অসামান্য প্রশংসা। मुराजमा, यांशांक मुःशरङ (एन करा वास न। বেছাচারী, আপনইছা-তে বশীভূত। । अग्राद्य, जग्रहत । অত্যাচার, অভিট। ন্ৰুতা,বশীভূতা তেকসদৃশা टेमवनिश्र खंबश, टेनवंश-ध्याशी इक, अजानिशतक মন্ত্রণ কারক ! (ভ্রু সিংহাসনচ্যুত, সিংহাসন প্রাজন, পাবশাক। *** জনাবচ্ছিন, জন্মাব্রি। অস্বাধিত, অত্যাশ্চর্যা रिनवासून् इरटन, रेपन अमन প্রতাপে ! गलना जिन्ननं करा, जानकत-र्कादत कालाकूलि। त्राभामनत्यां भाकान, ता-का पर्यालय উপयुक्त সময় ৷

আদেশানুবর্তী, আজ্ঞাবশী ভূত | চনিভার্থ, কুতার্থ। অনুকল্পাশুনা, দয়ারহিত। वासव, वन्नुग्रा। (अश्रक्षु मञ्जन नियक। ৰুখা, নিক্ষন। विश्वल, जजान। কিঞ্মিতা, কিছুমত। डीट, छग्न यक। মহাবীর, অতিশয় বনবান্। নীত, প্রাপ্ত। विद्यात विद्यात, छेवा देश्या, भाषा বের ভাবনার। গরাংনুখ, *বিমুখ। प्रठाक, निजनशान। প্রভাক, দৃষ্টি। দুৰ্জন, যাহাকে দুংথেতে জন্ন করাযার। খ্যাতি লাভ, যশোলাভ। मुर्जाना, मुदाम्छ। जनमञ्चल, भृषितीम छंता। সৌভাগ্য, উত্তম্কপাল। অবিকৃত চিত্তে, স্থিরমনে। ভীষণতর, অধিকভয়ানক।

অকুদ্ধ চিত্ত,অদুংথিত মন। जिएम, धई श्रकात ! প্রশান্ত চত্ততা, সহিষ্ত।। তদ্দর্শনে, তাহার দর্শনে। সাহ্সালয়নের, সাহসাশু-গুণসম্পান, গুণযুক্ত। মের! মহানুভব, মহানুমান 1 যশঃ, খ্যাতি। িদেদীপামান, প্রকাশ্যমান। ্রতিকুল, বিপক। विवाजगाना, जां जानामान। শাসনপ্রণালী,দমনেরধারা। প্রতিষ্ঠিত, স্থাপিত। অভাগির, অনিই। বিদ্যাভ্যাদের রীতি, मार्लाहनात थाता। বশ্যতা, বশতা। সদাচার, উত্তম ব্যবহার। विमानुतान, विमानिषदम নিতা, প্রভাহ। (ভক্তি। धर्मानिष्ठे, धर्मा करमा मण अङि।

निःचार्थ, पहिली। লোকহিট্তবী, মনুষোর আধিপত্য, প্রভুর ! ্ভাল ইচ্ছা। मबानाक्। क्यां नात्माळ्। । वर्षाकाः मंत्रव। चक्र अवेदाव होता ने अवल हित की दी, मीर्घका की । हिं जा ष्यद्धः कत् १, भन । धानुधान, हर्फा। পরিপূর্ণ, সম্পূর্ণ। প্রজাপালন, প্রজাপোষণ। ধর্মাগরায়ণ, ধর্মা কর্মো তথ-প্র । मग्रामाकिना छत्न, क्रशा ও সরলভা ভাবে। द्धभगिक, स्थ कृति। সম্দিত, বিশ্বত। হৃদয় কন্দর, মনের স্বরূপ एका । निवच्छा, मन्मर्यम। উদ্যতি, বৃদ্ধি। ष्ट्रींठांत, मन्द्रवावहात । कनमानी, नम्बा। র্মণীর, মনোহর। প্রথা, স্কুউপায়। खन्नात्म, खनश्नाता ।

তদীয়, তাহার। অভিলাষ ইস্ছ।। उम्बर्गाहिए, त्वर् विषश मिहिएसं। नियमावनी, विचिक्त युक्त। उठमधवकी, उठमावधनानी উৎসাহ, ভরসা। শোভাষ্ফ্রিসম্পন, শো-ভারদ্ধি যক্ত। 🕝 উন্তর্গি, অতীত। কুপিত, রাগান্বিত,। जर्बन, बर्जना। প্রশু, প্রস্তাব। পরীক্ষা, সদসদ বিচার। শতহার শৌভিত, একশত দরজারছার শোভাযুক্তা সূপ্রসিদ্ধ, স্থবিখ্যাত। পরাকান্ত, পরাভত। নিপান, পাতক্রা প্রভাগ, করারা।

কীন্তিন্তন্ত্ৰ, কমের স্বৰূপ थम। শিলাময়, প্রস্তরময়। ताक्छरन, ताकवाणी। বিভূত, প্রসারিত। दक्ड, द्वीशा । নিৰূপিত,নিশ্চিত,নিদ্ধারিত ধরং, আপ্রি! অভিযোগ, প্রতিযোগ,না-লৈশ। রাজা সংক্রান্ত, রাজ্যসম্প্র-कींश। नगरार्थ, मर्गन अधानी। िচाद आर्थी, त्व विहात करानामकात,क्रशादाहानना। अर्थ। कात्र। অবজ্ঞ, অবংহল।। প্রভ্যাখ্যান অপ্রান । - অপত্যনিধিবলৈয়, স্ম্তানে त्रव। আচার, ব্রহার। शक्रमचुनिश्चित्, इंख्रिन तथ् अभारम, महोरङ। গঠিত। লাবণ্য, কান্তি। **ं अविद्या, प्रीक्षि यूका।**

মাধুর্যা, মধুরত্তা गाडींगा, गेडीत्रा। বিচার শক্তি, বিবেচনার ক্ষ্যতা। চাট্ৰাদ, খোসামুদে। जभवान, इशीम। শান্ত্রীনন,শান্তেরচর্চা। महालाल, উख्य कर्णान क्षन। গহিত, यना। অনুচিতি, অনুপ্যুক্তি! .. বিশ্বাসনাস,বিশ্বাধনিকেপা 🍴 ७ इन्परः ऋ, टेपायनव ५ ऋ। ওঁ, ১তা, উপযুক্ত।। व्यवद्वादभत्तात्र, कावा व-কোর পর। रेनवविष्यमाः रेनवरत्म। वनी, इस। व्यक्तित. गक्षात। অবিছয়, কেবল। मः मार्तिक, प्रश्मातमञ्जीष्र्। कुर्मभा, छुद्रावद्रा

উদ্ৰেক, উদ্যোগ मिक्शन मिक्षा ममर्जन, अर्जन्। অনুরাগ, ভক্তি। অন্বগত, অজ্ঞান্ত। অসাধ্যানুসারে, সাধ্যানু-যায়ীক ৷ বিমোচন, মুক্ত। অমায়িক, অনয়ালু। **आश्रनकार्या** স্বার্থ পর, তৎপুর ! कर्षे अनु, क्रिक बिकामा। हिं विजय, गत्नत जून। तुकिमान, खानवान। নিশু গেরা । সুথের।। **অदमानिङ, अमेर्यामा ।** शृथकर, जिन्नर। वंश्वविद्यान, वंश्वविद्यन्त । विमानि, कूजानि । 💀 বজুপাত্বৎ, मार्थ ! বিসংবাদিতা, অনৈক্যতা। স্বভারতঃ, স্বাভাবিক। भूकषाष्ट्रिकः, देश विमा। निर्वाक जीपारीन।

উদ্দেশ্য, অভিপ্রায় ! অভিপ্রেত, মনোনিত। প্রতিপন্ন, খ্যাতিলাভ। সম্পত্তি, এশ্বর্যা। সাভিশয়, অভান্ত। 🦠 অতীষ্ট্, **মনোবাঞ্চা** বিপত্তির আচ্পদ, আপত্তি-রপাত। প্রভারিত, বঞ্চিত। धर्क भागा স্বার্থপরায়ণ, আত্মকর্মে তৎপর। বেষ্ঠিত, ঘেরিত। **ठाठ्ठे**कात स्थामाञ्चरमः। ध्यांभवात्रम्, धार्मिकः। ্ আছ্ত, গুগু। च्रुडिश अब्रुडिश निर्क नियुक्त বজাঘাতের রাজসমিধানে, রাজার निक हो। প্ররোভিত, লোভবিশিষ্ট। ইন্সিয়স্থপরতন্ত্র, ইন্সিয়-্লভ্যাবধারণ, নিশ্চয়করা। সুখ্তঁৎ পর।

পরিতোষার্থ, আমোদের अन्। हानाशांदम जारकरान। पासूकान, नर्तम। নে কুপৰে বিবি কিন্তুণ. কুপথগামী, গমনকরে। नुक्रिःलाभ, भागन। नजुवा, नटिए। धनि पर्या निवाद (भन्न ^कख- विवित्रक, निवस्त्र । যোগ্য i खिनितिमी । ध्यमपतिमी। अभरद्वं , विमुश्र। আশালত।, ইজার শ্রাপ বিশ্তি, স্তির বহিতৃত। ্যে লভার্ফ। जम्हात, लखान। त्याचात्रवः त्यात्रव्याद्रा শ্ঞ, চূড়া। ं इंडिनवानी, हिममत। পরিবৃত, আর্ভ। वानुकामग, वानी भमृश्युक অবিভিন্ন অভান্ত। शखरेनन, ভূমিকম্পাদির প্রস্তর, ক্ষুদ্রপর্বত।

নভোনত, বক্রভাব রূদ্ধি ! म्वादबार, या शास्त्र क्रव्यय**ः** আরোহণ করিতে পারা या य স্থার (काहिं) अভिवाहन, (भव। ्तक्री, ताबि। ्रकिशांनरम, ताःगःस्वश শগ্রিতে। ্তিযুগ**,** প্**ভ্ৰম্**ছ। 不可! ্নিরাধাস, আশাস রহিত! ্যাদগ্ৰহ, আশ্বাদন লওয়া। ্বস্ধিকারী, প্রভূত্ত্বরহিত। निक्न, दित। मह्कारी नाथरन, शर्मकर्म मन्याम् त्र। অভিক্রম, লঙ্গন। উত্তরকালে, ভবিষৎসময়ে। ছারা প্রতি পতিত রুহ্ৎ- যশঃ শশ্ধর, চন্দ্রেন্যার বিখ্যাত।

উত্তরোত্তর, ক্রমাগত। অধিকতর, অভিশয়। আধিপতা, প্রভুত্ব। স্বার্থসাধনোদ্দেশে, আত্ম कार्या मन्नापन जना, বাক্পবন্ধ, বাক্যের প্রণা-नीएउ। মদারা মাবতা। (বিশারণ। আত্মবিস্ত, আপনাকে মুচ্#তি, মুখ্। Cत्रामाक्टि, जांड श्वनक । व्यथासन, शार्घ। প্রশান্তচিত্তে, অভিধীরমনে। ব্যাপৃত, আম্বাদিত। প্রত্যাদেশ, ফিরে আশা। গালস্য, জড়ত। কিভিনাস্তজানু, পৃথিকীতে |ইতস্ততঃ চতুদিক। পাতিত জানু। क्रडाक्षनिभूषि काइशाल ननार, क्लान। ळानारलारक, छारनत्त्र निश्चिल, जानगा। ় ৰূপ দীপ্তিতে। **ওন্ধতো**র, দৌরাত্মের। লাঘৰ, কম। আপাত্তঃ একণে। ष्यवश्राम, वाम। **উপারন্তর, अना উপার।** अङ्गन्दन, **द्वेरह**्तक दर्ग পাঠোপযোগী, পঠনের পৌরহিত্যকারী পুরহিতে ८योशा ।

महुक्, छेख्म अम्। সমারত, আবৃত। विकन द्वारम, निर्कन वम-ভিতে। क्वारमाभार्क्स्त.क्वाननाएउ সময়ভিপাত, সময় নই। আত্মবিনোদনোপায়, আত্ম कारनाशां क्रिन। ভাকসাৎ, হঠাৎ। · শিখরদেশে, শেষভাগে। माया, माष्ट्रि शोकामीड़ि। सवला नामा न जिम्छन, माहे कु ।। পর্যান্ত, অনুধি 🖟 व कमा ।

বাক্প্ৰণালী, বাক্প্ৰৰন্ধ। বর্ত্তমান্ত্রং, এক্ষণকারনাায় প্রতীয়মান, বিশ্বাসের যোগ্য ভাবি ঘটনা, ভবিষ্যতে - যাহা হইবে। বাৎসন্য, সেহ। ত্রায়, শীঘ্র। निताकत्व, निवात्व। পুত্র, অপত্যা, সম্বা महाधन, आहान। ध्युक्ला, म्या। म्माञ्जूशीय, দেবতা-দিগের **অনুকম্পিত।** বাণ্দেৰী,**সরস্ব**ী,ভার**তী।** বীগা, বাদ্যযন্ত্ৰ ! त्माहिड, मुक्त। বংস্যা, সন্তান! অরণ্য বাস, বনবাস। সংগীত, গীভ, মিলিতগানা রাজ্যতন্ত্র, রাজ্য সম্পর্কীয় গ্ৰন্থ বিশেষ। म्हिक्नार्थान्य, स्मायत्रहिक त्वन्, वामायक्रवित्नव।

टेमर मश्रश्चा इर्थ **क**्षेत्र पश्रांत कना। মৃগ্ধ, মোহিত। স্মস্ত, मकल। কুটীর, কুড়েঘর। স্পানহীন, চলংশক্তিরহিত।। वात्मानिङ, वाङ्गानिङ। वर्फना, जङना, भूषा। कुस्रमाना, कुल्डिमाना। আহরণ, আন্য়ন। ख्या, ছाগन। আনন্দে, কৌতুকে। শম্প, ফুতনতুণ ! তরুগণ, বৃক্ষসমূহ। षद्धोनिका, इंछेकानि निः শি তগৃহ। প্রতিপত্তি, স্ভ্রুম, মর্য্যাদা পশুমূর্য, পশুরব। धावमान, शन्हादवर्खी। রোবাবশেষ,ক্রোধেরপর। কেশর চুল। বিকটাকার,ভয়স্করআফুতিঃ नशनवा, हुई छक्। মনোহর, यम्बाता মনকেহরে । মুখবিবর, মুখের ছিত্র।

ছত मन्द्रेष, व्यक्षित नात्र। ভূতলে, পৃথিবীতে। বৰ্ম, সাজোয়া। हमुद्रहरू, चार्क्सा विक्र। चिर्द्ध्या, घटेश्या। विज्ञादशं क्लूझ नग्रतन, आक- विन्त्र, त्रीव। খাৰিত চকে। উলৈঃখরে, অচান্ত চীৎ-া ঝার শব্দে। कुकार, कुछ। উদ্যাট্ডি, খুলিত। বিদ্যান্ত্রালী, বিদ্যাভা নানব্য ওলীভে মানব লো-্সেতে রভ। व्यक्तित्र, मर्गापा। অর্থগৃকু, অর্লোচী। প্রতারণা, চাতুরী। আত্মশৎ,আপনার্ আরত। অর্থনাভ, ধনপ্রাপ্ত। লাভাকাজনায়, লাভেজায়৷ ट्यांदर्भार, जात्यां जा- विवय क्रुक्रद् स्ताम। ज्ञानिक भुणानन, ज्यम्ब জ্বৰি, প্ৰয়ন্ত ৷ ्रक्षा।

সাংঘাত্রিক, বিদেশীর সও-मा गता। যথোচিত। যথোপযুক্ত। ন্তর্ভাগ্য হ্রাবস্থ। বিহনল অজ্ঞ:ন। বিলাপ, খেদ। প্রিপ, ছুঃখ। (त्रिम्न, क्ल्ना भीरत । উন্নিত, মূলোৎপাটন। 'किल्ब, श्रामन। विदर्शान, विष्कृत। তান্ত্যোতি, সংকার। অনবরত, ক্রমাগত। उरस्क, उरमारमील। (माधन। इर्घिनाइ, क्रूमनाइ। वियान, मनद्वाशास्त्र রক্ষাক্তা পালনকর।। शानि शहुनाका कर्मात्र विवा- नमाधिमानिद्व, विनामन्दर। निहिल, म्युनियात।

অভ্যাগত, অতিথি। কীৰ্দ্তিলাভ, যশোলাভ। नर्वछ।यूख, नक्व छ।।-লঙ্গত [निर्श्व न म्छ। পরিতুষ্ট, সম্ভূট । আরাদ, যত্ন। অপরিমেয় অধিক। সম্পত্তি, ধন-অর্থ। সঞ্যু, সংগ্রহ. निःश्यिक, मम्मुन्। श्रष्ठाभी इम, श्रक्तां नित्तत जुश्य (मखन। অপবায়, আকার্য্যে অর্থ वाय। অনাহারে, নিরাহারে। নিশি রাত্রি। বিশ্বন্ত, বিশ্বাসের যোগ্য। स्रुविछा, विश्वान। উশ্ভাল, অবাধ্য ৷ পরামশানুসারে পরাম-শীনুযায়ীক। कुकिश कुकर्भ। ११ অত্যাচার, অনিষ্ট 🗀

वार्डनाम, हुः (थत्ममा विनाम, ४२म। कुलाकात, कुलक्लेक। উচ্চিন, উচ্চন, নট প্রাপ্ত কারাবাস, বন্দিশালার वाम। উপারান্তর, অন্যকৌশল नगर छिंथा छ, नगर गर्छ । ভরক্ষাল।, লোতসমূহ। डेखानः डेएको। चवत्नाकनं, मर्भन। বাত্যাভিহত, বাষ্রদারা আঘাতিত। পর্যাবদান, সর্বতোভাবে শেশ। নির্বিসে, নিরাপদে। বঞ্চিত, রহিত ৷ ক্ষেপণীক্ষেপণে, হালকে-লে-হালকিন্ত। मानद्यादिः ममूद्धनः जन। ফেণিল, ফেণাযুক্ত। उल्लूक्तित्व, उल्लाइनीन ं भरन, मरहिष्ड श्रान। ক্তিপ্র, কতকণ্ডলিন।

বিদ্যাসংক্রান্ত, বিদ্যাসম্প্র-কীয়। ভদ্বিপক্ষ, তার বিরুদ্ধ। অবিবেকতা, অবিবেচক। অত্যাচার, দৌরাকা। অভ্যুত্থান, রাজবিজোই। অবগাহণ, স্নান! সমভিব্যাহারে, সঙ্গে। घंगीवृष्ठ, ष्यठाख्या । मुठकात्र, भक्तिकान। ক্রোধানল, ক্রোধায়। নির্ভীতা, অনিবেচনী। ব্রুহের, টেসনাবিনাাদের। অভান্তর, মণ বন্তী। সহকারে, সাহায্য। **एक्सुयाबी**; ভারউপযুক্ত। नৈনিক, দেনাসম্বন্ধীয় । व्यक्तिका, कानमक्ति। विगीर्ग व्यक्ति। বিবেচকশক্তি, বিবেচনার বানাহত, বাণাঘাতে নতা। শক্তি मक्दा ।

আত্মরকার্থ, আপনাকে রক্ষাকরিবার জন্য। অনুৰূপ, প্ৰতিৰূপ 🖟 🛰 প্রতিকার, উপকার। टाबारमान, आत्मान या-खांप। **बेश्चर्यामः म्यान्ड, ४८मत्रश्वत्रभ**् মদেতে রত ! অগীয়া, বলীভূত। अन्याज, किছूमांज। প্রক্র**ং, পশুরন্যায়।** 🔻 💥 ঘুণাস্পদ, ঘুণারপাত। গহিতকার্যোর,মনদকর্মের অনুষ্ঠান, সারম্ভ। इत्न, यालन। ্র_{্ক} অশ্বরন্মি, ঘোট**কে**র র**জ**্র व्याक् वर्गरकः व्यक्तात्रमृह जूडरल, जृतिर्छ। क । अविकास के अविकास के किया के किया की अविकास की की किया की क किया किया की क मुझिस्तम, व्यादम्म। १००० विक्री, कर्माकात्। विशंकवृद्धः, विशंक देनमा विवर्तः-विश्वती तर। का অর্জোকারিত,অর্জন্সই বা

ব্যাদান, মুখোতলন। जीवनाश्वारम, जीवनह्रा रेमवनिश्रक, रेमवनामन। शना विद्या

পরিমাণ, সংখ্যা, মাপ।

্ত ভীয় স্বর্গ।

উদ্ধৃত স্বভাগ বশতঃ, নাই নিমালতা পরিষ্কারত।। চরিত্র জন্য। স্বেজ্বারগত, **স্বেভ্**ষিন। द्यार्थ, मिथा। ভिদ্বিষয়ে সেই ব্যাপারে। উদ্যোগী, আগ্রুকারী। गशास्त्र अवाजात । देनविक्यमास, देनदश्वेमास খন হতে, ভূরিত। जुन्भी, यर्थके। প্লায়ন, প্রস্থান। ज्यादमार, जेरमार्ज्या। অগত্য , সুত্র । অভিসিক্ত, পদস্থ। দৃষ্টি পথাতীত, দর্শন পথের বহিভূত। নাভোম ওলের, আকাশ ম- ভিলারি, সুক্ত। গুলের ৷

পোতাধাক, জাহাজের প্ৰধান 1 ধান, বাসভান। কুত্রাপি, কদাচ। मःकाष, मण्यकीयां वाळाधीन, वाळात्रकी-ভভ। वर्गातिक, व्यनशान्। অনুকম্পার, দয়ার। বিশ্ব, বিশ্বাদের পাতা। আলাপ, কথোপকথন! অন্তর্ত, অন্তঃপাতি।

প্রতার, বিশাস। 🔑 অসমর্থ, অপারগ। হিতকর, মঞ্লদায়ক। তৎকালে, শসেই সময়ে। প্রভাপকার, উপকাক তাৎপর্যাগ্রহ, ভাবগ্রহণঃ कतित्व भव छभकात अधारी, वृक्षितान। করা i त्रहाराद्धमन कतिल, त्शा- चितुक्ता, नियःछ। গ্রীয় কথা প্রকাশ জাগ্রাক্, জাগ্র্ণ। ক্রিত। क्रडकार्धा, नकल। निटच्यांकन नितावभाक। विकाशास्त्रका, तका। চিবুক, দাড়ি। দৈশ্বকালে বাল্যবস্থাতে। হিভাহিত, ভালমন্দ। काल्डारम, यरमङ्भारमः প্রেমাস্পদ, প্রেমের পাত। गाउ, १ फ्छ। কু প্রহৃতি। মদ কমেনিযুক্ত। কুসংস্কার মন্দবিবরকজ্ঞান। নিয়াশিত, বি স্কৃত। कर्न् छहरत अधिक हरेरड দিবেনা, প্রবণ করিতে नित ना। অভিনৱ, মূতন। সরলভাবাপয় বিশাল। नियुक्त, मनागर्यमा जायाना, जनुभगुङ।

मुर्ड, इहेए ७ ! ব্যুৎপন্ন, সংকার। चश्रतिनायमणी, व्यविक्ता অচলমতি, স্থিরবৃদ্ধি। িশাস ভাজন, বিশ্বাসের পাতা। বিবাহার্থী, বিবাহ করিতে य हेव्हा करता उछावन, देवन। **डमर्वास, सिक्स अर्थास**। সত্ত, সর্বদ্ সাবধান, সতক। 🔐 চপল সভাব, চ্ঞুল্চরিতা। অসাবধান, অস্ত্র আশয়, ইচ্চ।

উত্তর প্রদান, প্রতিবাকা | विकाय, देवतिंछ। í (में उसे । निश्रुव, शहु। विकल, निक्ता। অসাধারণ, অসামান্য। বিক্র**মশা**লী, বলবান। পাৰ্যন্ত্ৰী, পাৰ্যিত। অপরিমেয়, ষর্থেট। भागू मुक, ममूज मयकी स। मक्षाम, युका। পরাজিভ,হারিত,বশীভূত। অকুরচিত্তে, আনন্দিত यदम । ত্ররায়, শীগু। পুনরাদার, পুনরায় মুক্ত। উৎক্লা, উত্তম। प्रथंग, इप्लीख् । বিরহিত, রহিত। ভীষণতা ভয়স্করতা। বিধানার্থ, ব্যবস্থার জন্য। উৎকর্ষ্য, আতিশর্য। वर्षनं वृद्धि। नियंड, नेर्कान्। দাসবৎ, . ভূত্যের ন্যায়।

विषम, উৎकरें। দূষিত, দোৰ প্ৰাপ্ত। মুত্রপাত, তুল। धनज्ञा, धरनक्षः ঘুণাম্পদ, ঘুণার পাতা। जिल्डार, (प्राय। । অর্থ্যুতা, অর্থলোডী। केथीं, हिश्मागुङ। निषक्षित्तं, भः मग्र एक মন | উৎপীড়ন, যাতনা। অপরাধ কারণ, দোবের জন্য ! উদ্ভুত, উৎপাত। অভুল, অনেক। মূলীভূত আদিকরে। অনুভাপ মনস্তাপ। তরবারি, তরোখাল। ভবনের, বাটির। অর্গল, দার ! माश्मातिक, मश्मात्र मश्न कीश। म्बरम শৈক্ষাকুলচিত্তে, ভরাকুস हेक्खरः, **ह**जूर्षिक । কর্ণ গুহরে, কর্নের ছিদ্রে। আপাততঃ, এক্ষণে। চকিত ভীত। भीनं, खीनं। পাশুর, প্রক্রবর্ণ। চিন্তাভিমিরে, চিন্তার স্থবা-প অন্ধকারে । षार्खनानं . द्वश्यंत्र मन्। সামগ্ৰী, বস্তু। ঘোরতর, অত্যস্ত। অন্তর্গাহ, শরীরমধ্যেজলন। উপাদের, উত্তম। বিস্বাদ, স্বাদরহিত,বিতার। जामकनक, जयकत। বিপন্ন, ছদ্দশাগ্রন্ত। প্রতীতি, বিশাস। विनके, नके। माधन, मल्लेश। क्रमान्त्र, क्षे। ঘটক, হউক। निष्ठ्य, (वजन। অসীম, অপার। মেবপালক, মেবরক্ষক। शर्याख, यदश्र ।

্নিজাুয়োজন, নিরাবশ্যক। मुखेश, याश्रांक मुश्यां দুসন করিতে পারাযায়। धनलिश्मात्, धरनकात् । ववर्डीर्न, अकाम। আধিপত্য, প্রভুত্ব। थहर्छ।, थहात्रक, हन्।। তক্বিতৰ্ক, "বিভঙা। ভীতান্তঃকরণে, ভরযুক্ত मत्न। थानाम, अद्धानिका। সদাশ্য, সতেচ্ছা। আশকায়ে, ভয়ে। मार्श्यार्थ, नार्धाः প্রতারক, প্রবঞ্চকা জিন্যো ধান্মিক কেশুধারী, ধার্মি-কের ভ্যাধারী। পাপাসক, পাপেতেরত। जलकर्य, मनम्कार्य। हचरवनी, इन्दरमधाती। কীৰ্ত্তন, পৌণ পূণ্যক্ষিত। উৎস্ক, উদোগী, সচেষ্ঠ। রীতিবন্ধ, ধর্মের রাস্তা।

শব্দ অর্থ (৩৫) শব্দ অর্থ

গ্ৰগত, জাত ! ত্রধাকার, সেই স্থানকার। রঞ্জিত, শোভিত। डेर्कवा, नर्कमत्मााष्ट्रभावन ভূমি ৷ ফলভর নমিত, কলভরেতে নত। অপুর্বা, আশ্রুয়া। গ্ৰান্ত্যজনক, সুথজনক। সন্ত্ৰিত, নিকট বন্তী। উঠিত চির্ভুন, বছকালিক। जुश्मि, हिम! ধ্বলিত, স্বেত্তবর্ণ। বিত্বারিতা, পরিমিত্বার विधीर्व, अटलम् । डेतार, श्रेष्ठा निविष्, धन। অনবরত, নিরস্তর, সদ'স-উদ্যান, বাগান। (र्वाना। विवाजमान, अकामामान। অনতিছুরে_৯্ নিক্টে ৷ यटका जिल्ला व्यवनाथा, मञ्चलन्याथा। कृष्ठोर्थ, मकता অবলোকিত, দর্শিত।

অংশষ্বিশেষ,নান প্রকার। मजीन, जीविछ। অবিভূপ্ত, সম্ভূষ্ট ৷ উণা, পশ্ম। তদনন্তর, তারপর i ধনহরণ, অর্থোপার্জন। **সহাভী**ৰণ, অত্যন্ত ভর্-零る 1 গর্ভোগ্রিত, পেট হইতে শিণ্পনিপুণ, শিশ্পকম্মে शहे। ं मः यम, देवधकि ॥ त शूर्ध-निदनत नियम। ্মুখাস্ত, সুখেতেরত। ্রভাগের, ভারপর। (म्मान्तर्गठ, जनारमम हरे-তে আগত। ব্যতিক্রম, ব্যতায়, অন্যথা। বিলুগু, লুপ্ত। সমুচিত, উচিত। প্রতিবিধান, ব্যবস্থা।

বাণিজা, ক্রম বিক্রম। শুলক, মাশুল। কুেশদায়ক, কুেশজনক। বিস্তর, অত্যন্ত। यथोिहरू, याउँहिरु । वाद्या । स्थान स्थान । स्थान मून। অপবায় প্রবণতা, অপক- পরিত্যাগ তাগ। ক্ষেনিপুণতা। অনুর্থকর মিগ্যা সব। প্রকারান্তর, অন্য প্রকার। বিরভঃ ক্ষান্ত। প্রবেশ, জলপড়া। তৎপর। প্রলোভিত, লালসাযুক্ত। প্রতিপত্তি যশঃ। স্থবিধা, স্থযোগ। ক্ষমতা, শক্তি। स्रुवाक्तकरल, উखमकरल। । अलहत्व, कृति। বাণিত্যকার্য্য, বণিকের অজ্ঞ, মুর্স্কণ कर्भा। শ্রিয় স্তহ্দ, প্রিয়বজ্ব। অরণ্য বন্ধা व्यथाः निवसः : वावमारात अवात, वानि ममा हकत्म-मन्भू विद्याला। জ্যের প্রথা ঘটাইয়া বাধিয়া।

श्राहिक का अल्लाहरू विकास का अल्लाहरू अल्लाहरू अल्लाहरू अल्लाहरू अल्लाहरू अल्लाहरू अल्लाहरू अल्लाहरू अल्लाहरू সমুচিত, উচিত। | অহিতাচরণে অনিউপ তে। थनाशमः, थन ज्यामा। निजिभतासमः थमाकरमा 'অভিলাৰ, ইস্চা1 আগত্তক, हठां ६ छेपश्चि । निर्मातना श्रीकी, क्रीत-तक्ता। দুরদেশাগত, দূবদেশ হই- বহুসংখ্যক অনেক। তে আগম। নৈপুণ্য নিপুণ্ড। পুরকৃত, পারিভোবিকের হোগ্য ৷

অর্থ (৩৭) শন্

উৎকর্ষ, প্রধানত্ব।

ছারা কার্য জান। জ্যোতির্মিৎ, জ্যোতিশাস্ত্রে পণ্ডিতা

न'ध्वान, मक्रलांहत्। অসীম, অপার। ফুত্রধর, ছুঁতর।

2) हूत, यदथर्थ।

भितिशक, निश्रुव। (मन्द्रित, जनारमध्रा

अञ्चान्त्रकान, यथार्थारय-যণ |

নিক্পিড, নিশ্চিত। ক্তিপ্র, ক্তক্ণুলিন।

প্রকাষ্ট্র, অলোকশা। निर्दाह, मन्भन।

ষ্বছন্দে, সুথে!

জীবনপাত, হৃত্য। অবসর বিরাম : 🛶

প্রচণ্ড, ভয়ঙ্কর।

ঝড়| বাড়া',

कृष्ट्रीकृत्रत्। जनरहलाक-

श्रमात्रत्न, विखादत । तत्न ।

প্রবৃত্ত, নিযুক্তা রেখাগণিতবেক্তা, রেখা- পিণ্যশালা, পাডারঘর। শাস্তাগার, শাস্তেরভা-গুর ।

अरम्भाजरनाशियां भी, अरम्

জনের যোগ্য 1

্বিফ্ত, আশুর্যান্বিত। মুতরাং, কাজেই।

প্রস্থান, প্রায়ন। উৎक्रिंड, बाबुनिस् !

: বিদিও, ভঞাত।

दोजकीय, ताका मळाकीया

চরের। দুতেরা। गरमन्गर्थ, जनूनकारनत्र

ज(न)।

निर्विष्ठिष्टल, मत्नारदौरण। কলোপকথন, কথাবার।।

रिन्नदम्मीशः, धानादम्भीशः। রুত, কুতআলুমণ।

অথুমাত্র, কিছুমাত্র।

ক্রটি, হানি, ব্যতিক্রম। অযত্ন, যত্ন রহিত।

প্রকাশ, প্রচার।

বিজ্ঞাপিত, জানিত।

ভিৰিবয়ে, সেই বিষয়ে। পথাতীত, পথোত্তীর্ব। অংনিশ, দিবারাতা। প্রভাবে, প্রভাপে। পরিত্রাণ, মুক্ত। অনুগত, মধাগত 🖰 🧼 পোৰকতা,সাহাৰ্য্যকারিতা। অনুসন্ধান, অনুেষণ। এতদ্ব্যতিরিক্ত, ইহা বিনা। রক্ষার, ত্রাণ পাইবার। উপ্ৰায়, গভি। বিপদগ্রস্ত, আপদে পতিতা व्यानारम्ख, मह्य (शहन छ। পরিগণিত, গণনার্যে 🗥 । সরলভা, সাধূতা, নির্মালভা म टानिर्छ', मर्टाएड मृष्ड जि অভিমন্ত, মনোনীত। जिन्छे, गम्। मुचनीत, निक्तीत। অনিফৌৎপাদন, অসঙ্গলো **電**石 | निद्रशदीयः निर्काशी। ঘোরতর, ভয়কর। ছক্ষ, কুকার্য।

সত্যনিষ্ট, **সভ্যেতেত**ৎপর। অতিক্রম, অন্যথাচরণ। প্রমাণ, সাকী। পরিগ্ছীত স্থীরত। প্রতিপন্ন, মানা। च छः निषा, जाशना इष्टरङ मक्ल| माध्दिगहिंछ, मल्टलाटकत नियिक। युनिङ, घृनिपुङ। • गमम ছবেচনা, ভাল মন্দ বিচার। ঘদন্তক, রাগভ। অনুতাপানলে, তুঃখের স্থান প্রায়ত। षाष्ठतिक, भागास्ता। विषय, बिल्यकाश अत हिश्म। সদৃতঃ, শেৰ। अक्टून्डर, असुरान। অতিবাহন, যাপন। जवार्याः, जनाश्वास्त्र। वामाञ्चाम, खर्ग विडर्क । ज्यानिक आन्त्रशा

मत्नम्, मश्यमि। ৰপলাবণাবতী কান্তিপুঞ্জা (क्षत्रभी, माती। अमन्त्रवा, मन्त्रीयुथी। চিউ ক্ষা মন্ত্রণ। क्मनीय, मानाहत। জ্ব প্রকৃতি, নিষ্ঠুর স্বভাব। কুষভাব, মদ চরিত্র। গোপন, গুপ্ত। नवरगोवनः नवीनगुव।। শ্রুতিমুখবাহ, কর্নমুখবাহ। এণঃপাশবন্ধ, গ্রীতিরস্থৰূপ ङालिङ आवक्। অনুরক্ত, ভক্ত। বাস্তবিক, বস্তুতঃ 1 সহ্যাসস্থবিলাস, একত্রে সংখতে বাস করিবারে-নরাধমেব, অধম লোকের। সহবাস, একজেতে বসতি। চিন্তান্বিত, ভাবান্বিত। সুকুমার: উত্তম সন্থান। মুখভোগযুক্ত, গেতে রত।

नग्धान, मण्यान। াকেশ্যজ্ঞন চুলহাঁচড়ান ! সুগন্ধলেপন, উত্তন গল-मुवा माधन। আদিরসঘটিতগ'ন, আদি-রপ যক্ত গীত। (श्रमाञ्चली, त्थ्रम नृत्रकः) প্রত্যাখ্যান নিরাকরণ । অভিল মিত্য বাঞ্জিত। रैवरमभिकः दिल्मीयः **जनायः नाम्यः हि**छ। রাজকীর নৃপ্ সরস্থীয়। काताभात, विकिनाना। প্রকৃত, বথার্থ। গোচরে, সাক্ষাতে। क्रमत्रकम्बत, मत्नत अश्। উচ্ছলিত, উপ্থিত। সভা পালন, সভারক।। জীবন বিসজ্জনে, মৃত্যুতে। इन्द्रियरमवाश्वरुख, इन्द्रि রেরবশীভূত। भूनिक्छ, आस्मिनि । बर्ग, नचे। জননীকে, মাতাকে।

नग्रनगुनन, ह्रेक्स्। চরিতার্থ, ক্তার্ধ। পুৰ্বিত, জুবিত। সজল, জলসহিত। खबदलांकन, पर्मन।

অনিছা, অসমত। वर्ववयान, क्रांशक। স্থসদৃশ, স্থাপনারতুল্য। স্থারিত, দূরীভূত। স্থানীম, স্থার। নির্নিক্ষণ, দর্শন। স্থানিক, রভ। দ্টিপথাতীত, দর্শন পথের

जिन् नेर्नाटिकित्मकरमत अपार्थ नमीथ हरेन।

পार्ठ भावा।

জীবন চরিত্র।

तल्किन का भित्र पूराल।

ভাথ E OF महारू छर, महाजा। घनुद्धाती, ग्यावजी। দৰিক ভংগী। मागानाक्षण, जन्मविख्त। श्रुक्त्रत, याभ्या र्थ। कर्षिकः, महलामाना। ভরুব সোধন, প্রতিপালন। निर्दाह, भारत। शहरलाक्याजाकरवन, मस्त यान । উপायु, क्लीमन। মুত্রাং, কাজে ২। তুরবন্থার তুর্দাশায়। মহীয়সী, অত্যন্ত। উৎসাহ শীলতা, উৎসাহ-• বিশিষ্ট।

MA অবিচলিত, স্থিত ৷ अजातन, अजात्य। ममय, नक्ता। ্রতিবন্ধক, ইংধা। 🕐 অভিক্ষ, লাজন। अमावाद्यं, अम्मामा । दिरमाश्राक्तांमि, दिना-लां जांनि। मनुषा मधनीटिं. मनुषा ভোণীতে: णग्नंगक निस्थान। পেরুশাবক, পেরুনামক পক্ষির বাছা। রক্ষণাবেক্ষণ, সত্তেতি রাখিবার জন্য। বালসভাব স্থলভ, কাৰ্য্যা নভিজ্ঞসভাব !

গহিঃ চার, মন্দব্যাবহার। যাবং, যে পর্যান্ত। .দূৰিত, দোবযুক্ত! ছুঃসহ, অতিশয়। হেমন্ত, অগ্রহায়ণ এবং পৌৰ মাস। উপক্রমে, ্ব আরন্তে। शलायम । প্রসান, वियम, উৎकृष्टे। আক্রান্ত, কড়ীভূত। ञ्चान्त्रं व्यवस्था অকালে কালগ্রাসে পতিত হইবার, মরেষাইবার 📗 ष्मग्रावनाहिल ना, मजुर ছিল। ভাগাকমে, जम्फेवल। তাদৃশ, দেই প্রকার। मना, व्यवश्री। ু দয়াত চিত্ৰে, সাভিশাৰ তৃংখ युङ मःग। মেষপূরিষরাশী : ভেড়ার - বিষ্ঠা সমূহ **।** ব্যতিরিক্ত, বিনা। व्यनाविध, जनाध्यकात।

শ্যায়, বিছানায়।

পীড়োপশম,পীড়ারশান্তি। बाकर्र, शनदम्भ भर्यास। কদর্যা, কুৎসিৎ। পথ্য, রোগির যথাবিহিত আহার। শুপ্ৰাৰাতে, সেবাতে। সৌভাগা ক্রমে, উত্তম • ভাগ্যবলে। याङक्तर, याध्यकारीत। অবস্থিতি, বাসস্থান। जुन्ती यत्वर्ध। अंग्शामन, निष्शामन। স্বভাবতঃ, স্বাভাবিক। ञ्जूमखि९सू, ञ्जूमका-্নচ্ছুক। रेमम्बकारन,वानगवश्रादणः প্রভৃতি, ইত্যাদি। जातकिष, नाना প्रकात। मध्यार, मध्या প্রতিবেনী, প্রতিবাসী। ভাৎপর্য্য, অভিপ্রায়। धवर विष, श्रेशकात। প্রশা জিজ্ঞানা।

मर्खायकनक, सूर्यमायक। वाङ्लामांज, त्वभीत अंश। भामाग वृक्षि, यशकिष्टि क्षांन। প্রাকৃত, প্রকৃতসম্বনীর। हिनाम, किथा व्यवद्याकन, पर्मन। প্রতিমুর্তিতে, আকৃতিতে। অন্দ্র, ভূষিত। এপর্যান্ত, এই সময়াব্ধি। পরিচয়, বিশেষ জাত। বিন্দ বিসর্গ কিছুমাতা। অনুধাবন, অনুসন্ধান। তত্তবিষয়ে, সেই সকল ব্যাপারে । কৌতুহলাক্রান্ত, আনন্দ যক্তা একান্ত, নিতান্ত। ব্যগ্রচিত্ত, উৎক্তিতমন। नमत्क, माकात्छ। श्रीय़, व्यालनात्। সহচরকে, সঙ্গীকে। বারং বার, পুনঃপুনঃ। অনুরোধ, প্রতি রোধ।

বাসনা, ইচ্ছা। প্ৰ, সফল। ফলতঃ, বস্তুতঃ। वियमि, विमर्थ। যৎপরোনান্তি, যারপর সার नाई। (कांड, मनखान। এতাদশ, এই প্রকার। कूत, लाकपङ । প্রতিজ্ঞা, পণা অধ্যবসায়াক্ত, যত্নাশ্যা (दाह्व। প্রাণ পণে বছকভৌ। धमञ्च, याहा मञ्चरहामा। অভিপ্রেত, মনোনীত। गिक मक्ता। घढेनाक्टम, देमवाद। জ্যেতিশ্চকের,রাশিচজের घानमतानि, भाष,त्य,मि थून, कर्त है, निःइ, कना তুলা, বিছা, ধয়ু, মকর कुछ भीन। वनाशीत्मरे, वाकूरनरे ছির, নিশ্চর, নিৰূপণ।

े जोकाम मधन चिक, याहा। जनगमना,जनगमनकतिहरः शंशन मार्ट्स बार्ट्स। প্রতিমৃত্তি আরুতি। माल्मस्, मण्याम्। ল্ভোমণ্ডল, আকাশমণ্ডল। ভূচিত্র, মানচিত্র। অন্তক্রণে, মনে। অন্তর, শেব। योवर, दस श्रवास्त्र। (ताथा। कार्य, कमास्त्रित। जिल्लास्त्री किंग्न किंदरमंत्र श्रीत, किंकू अजिनित्वेन, मरमारयांश। मित्मत शत ! ू এক ন্সরে। ক্রাতর্বগে। मुख्रीयखालरात्र, इं। शांची - निः का बान। नात । शवादक्त, कादनमात । शावज्त, माजिमा। ভূগোল, পৃথিধীর আকৃত্যা । অনুরাগ, ভক্তি। े नि विवित्ते विष्ठित छोल। । मङ्कारम, माहार्द्या। शूर्किएक, याहा शूर्क मथा- अवाहन, आठ। रहेशाइ । অপেক্ষার, উপেক্ষার। ব্যাঘাত, বিশ্ব **छेशानिश, छेखग।** विकान, निकान। ख्यमनार अविवादम। दान लाटज निमिन्न, जान अवमत, अवकाम। धारित कना।

जनग कना, जनाकमा त-হিত| मोर्किकाम, (मङ्कामा প্রত্যক্ষ উত্তম ৰূপেদর্শন! অতিক্রম, অতীত,লঙান। দুচ প্রতায়, গাঁচ বিশাস। লক্ষ্য, লক্ষ্যার দ্বারা ্ ইক্ষাণুফ্কাকপে, সাতিশয় मर्गशहः जादनभा अहन। यमागः, जभन्नोभन्न। 🐠

তাথ

উৎসুক, উৎক্তিত। আশ্রম, গৃহ। मकल्भ, धर्वा । তত্ৰতা, সেই স্থান হিত। অমুবন্তী, পশ্চাংদন্তী। কিঞ্চিৎহ, কিছু হ। मदग्निर्दश, मत्नार्याभ। অমুগ্রহ কপা। প্রার্থত, যাচিত। অনতিচিরকালমধ্যেই, অ-প্রেকাল মধ্যেই। কভূ পক্ষীয়েরা প্রধান-म्दल्या । পাদন জেশে অন্তরে, তিন পোয়া পথের পরে। তাথায় সেইস্থানে। সাধ্যানুসারে, শক্তানুযা-शैक। কোভ, মনস্থাপ। অনুরোধ পাত্রসমেত, অব রোধ পত্রের সহিত। ত পস্বীদিগের, ভাপস সকলের ! আজীবন স্বলপ, জীবন ्रश्रीटल त नाम।

C511 ধেমু, রক্ষণাবেক্ষণেরভার, প্রতি পালনের ভার। पूर्वानयालका यछ ছिल म, ভবলের চেও ছিলেন। কতকগুলিন, কিছু। অনুমতি, আজা। আশ্রমদর্শনাগতব্যক্তিগ-(वतं गृहमर्भनाधी लाक ममुद्दत । তার্থ, ধন। ব্যয়, খর্চ। এইস্থলেবিস্তরব্যাঘাত সত্তেও, এই স্থানেসাতি শয় বিশ্ব থাকিলেও। উৎক্রোশপক্ষী, বাঙ্গপক্ষী। नाम्नुनद्याशनकिङ, छुरे ন্যাজাশ্রিত। কেশরী, সিংহী। বিকটাকার, ভয়ঙ্কর আ অন্তত, আশ্চর্যা নিরীকণ,

পৃথিবীতে, মেদিনীতে। জীব, প্রাণী। শ্বণ মাত্র, শুনিবামাত্র। অভিসন্তর, অভিশীঘ্ ৷ অবিলয়ে, ত্রায়ে। তিছিবয়ে, সেই ব্যাপারে : বিশেষজ্ঞ, উত্তমজানী। জ্যোতিৰ্বিদ্যা, জ্যোতিষ্ m13 1 जूरगान वृक्षात्र, পृथिवी मयंकीय विवद्रंग। ष्याशतन, भारके। অমুরজ, রত। সলিহিত, নিক্টস্থ। विभिन, वन। निर्जन अरमरम, जनशैन क्षीत्म। ष्यस्यम्, जातूनकान । তথান, সেই স্থানে। অবস্থিত হইয়া, ব্যিয়া। निर्यात, भलशीन। निमाघ तकनीटड, शीध-কালের রাত্তিতে। खिषकांड्म, खिका

পर्यादकांत्र, मर्खटा जा-त्व मर्भाटन। যাপন, ক্ষেপ্। মন্তকোপরি, শিরোপরি। পরিশোভামান, সাতিশয় শোভাযুক্ত। মৌক্তিকময়, মুক্তাসদৃশ সমূহ [তারা সমূহ)। নভোমগুলের, আকাশের। মনরথের, বাসনার। ঘটিতে পারে, হইতে भारत। জ্যোতির্গনের, জ্যোতিষ্ বি যয়ক পণ্ডিত সকলের। বিশিষ্টৰপে, উত্তমপ্ৰকারে৷ বাসনার, ইচ্ছায়। অভ্যুন্ত, অভিশয় উচ্চ। ওকবৃক্ষোপরি, ওকগা-ছের উপরে। वना जाका, वूरमाजाक। উলোশাখার, উলোগাছের **जाता**। পরস্পর, উভয়ে। मश्राक्रमाकातिता, मिला-हैंग्र।

সারসকুলায়দলিভ, সারস জিমণ, পর্যাটন ৷ পক্ষির বাসার নিকট। निर्यान, शर्रन। क्तर, भरेनर। বৃদ্ধি, উন্নতি তত, সেই প্রকার। আকাজ্ফা, লোভ। নির্দ্ধারিত, নিশ্চিত। উপায়ছিল, অর্থ ছিল। অত্তব, ভজ্জনা। যায়ৰ দ্ধিকরিবার নিমিত্ত, অ कांमशालियं,कांमशालिया। জন্তু, পশু वारवृक्षिमन्त्राम्मानि बना, षर्थीशार्जन वृक्ति नि-क्यांपन कना। कथन २, (कान २ मगद्र) छतः काहितः वालह ष्ट्रः मारुमिकका शाद्धि ७, च गस्त द णासु मार्न कनदक्रम् ७। ≅रवनः वास्त्रमन। প্রবৃত্ত, নিযুত্ত। धक्रमा, धक्रमभग्न। कानम, दन।

্বকোপরি, গাছের উপরে। विधिकारमामाः वटास हिक्क (लाम विभिन्छ। जित्ताक्न, मर्भन। উপকার, হিত কণ্ম। विद्वहर्गाः विष्ठातं। ব্কোপরিআরহণপুর্বাক, গছের উপর চড়িয়া। অভিদীঘ যঠির স্বারা, অ-তিশয় লয়ালাটির ছারা ধিক লাভ করিবার অধিষ্ঠানশার্পা, ষেডালে তে বসিয়াছিল। অবতীর্করাইলেন, নামাই-(लग। দৌড়িতে, ক্রন্থবেগে ্ যাইতে (শাবমান, গশ্চাহার্টী। उथार्हेएज, (महे स्नान इट्टि। ত্বরায়, শীব্র। 🔧

निक्काविङ, वश्क्ष् छ। যোৰতর, অতাং। কুপিত, রাগান্বিত। মন্তকেরপ্রশান্তাতো, যাড়ে | আত্মসাৎ, আপ্রমারজায়ত্ত नथअहातकतिन, नथपाता जगहत्रन, हृति। আক্রমন করিল। তথাপি,ুভত্রাপি। ্প্রাণসংহার, জীবনন্ট। পর জন্য। इर्सि । कुलता हत्न, जान- शित्रवात, शूख (श्रोजानि। (मार गृह्मग्राम। প্ররোজনোপযোগী, তা- ঘোষণা, প্রচার। ্বশাকীয়। **সংগ্রহ, সঞ্চ** वितानकृषक टाक्नमा. मर्जात | चाजिकारिक, चलिकाएय। উলেমে, অত্যেষণ। । निवन्ना किमानमार्गन, अजि मऋद्रो, विश्रम । नामुण्डाम्स्थ । অর্থসংগুহকরিয়া, ধন স-্চমংকৃতী, অশ্চর্যান্তিত। भत्रश्ताल, जाक शाधिम श्रेम, किकामा। मालम । एथ्क्रज, जास्त्र कर्ता। সম্থ্রতা, সমুখেছিত। পুরফার, পারিতোবিক। শুক্তপর রাশীতে, শুক্তপা- রজতমুদ্রা, রূপার টাকা। • ভার গাদীতে। পুরার্ত, পুরাতনইতিহাস।

स्वाभग्रम् । तानात টাক।। উৎকীণ, অক্টিত। গহিত, মন্দ। অধক্ষহেত্ পাপের জনা। निट्यम्म, आद्यम्म। कुलामर्नमासूयाती; कूल (याना। इहेट क छ छ । जा शहक, हर्गा छ । इहिंह। প্র করিয়া। ভূরি २, জনেকানেক।

ছাবিংশতি, বাইশ।
হীন অবস্থা, জর্দশা।
পরিবর্ত্তের, বদলের।
ব্যতীত, বিনা।
গোচারণ, গোরু চরাণ।

তক্ষতলে উপবিষ্ট হইয়া,
বক্ষতলৈ বদিয়া।
ধেন্তুগণের, গাভীসকলের।
কিঞ্চিন্মাত্র, কিছুমাত্র।
মনোযোগ, অভিনিবেশ।
অধ্যয়ন, পাঠ।
সহুদেন, স্বাধীনে।
ইতন্ততঃ, চতুদ্দিক।
সহুমা, হুঠাও।

যুগবং, একেবাবে। কারুণ্য, করুণা, দয়া। রসের, ভাবের।

(मोगाम्बि, स्मत्।

क्रम्द्रः, मत्न।

মৃগয়া. পশুবধ চেষ্টার বনে-গমন।

প্রসারিত, বিস্তারিত। প্রত্যক্ষ, দর্শন।

अतिलयः, भीष् करतः।

দেশাধিপতনয়রা, বাজকুমারেরা।
স্থলে, স্থানে।

द्धरमे, श्वादन। অসঞ্জ্জ, जनाम। कुमात्रमिशरक, সম্ভানদি-

भारतापगरकः, सङ्गासः शटका

নয়নগোচর, দর্শন। মুগ্ধ, মোহিত।

विमानतम्ब छेशायः, वित्ना

পাক্জনের কৌশল।

অবগত, জ্ঞাত। লাক্ পথাতীত, অনির্ধা-

वनीय।

সম্ভোষ সাগরে, আনন্দের

স্থাপ সম্জে। সংশ্বে, সংবেশগে।

धर्माड्राम, समान्छ।

चसूहत्त्रता, मङ्गीता । मण्डाहे, त्नाळा ।

ष्पक्षि, मत्न।

নিরুদ্বেগে, নিশ্চিত্ত। জীবন ক্ষেপণ, কালযাপন,

অপূর্বা, ক্ষান্টর্যা

সুযোগ, সুকৌশল।

সংগণ্ডিত, পরম বিদ্বান। সত্পদেশকেরা, উত্তম শি-य-दक्ताः। বিদ্যাধয়ন, বিদ্যাভ্যাস ! नगाधादनत विभिन्न, मन्त्री, (इह जना। সংস্থাপিত, স্থাপিতা পৌণারিক, পুরাণ সম্বন্ধীয় ভদ্মশ্র, ভারপর। याजाकारण, नगरमञ्जा ख्दममञ्जाहोत्त, जाहात म्द्रम् । অভিপ্রায়, মানস। मद्शमत, महाजा!! ं ८वडरन, निष्टु रहा। मकत्म, सूर्थ। হুখাতি, যশ। रेवरमिटकता, विरम्मीय লোকেরা। বভাৰতঃ, স্বাভাৰিকৰ विनीष्ठ, नुगु 💛 💛 লোকরঞ্জন, লোকানুরাগ। টক্ষ, অসি। ুপুর্বিতন, প্রকোকার। - कुंशमनाः कुंशिङमना।

উপচয় সৃহ্কারে, আধিক্য সহায়তায় ৷ নব, ফুতন। অপ্রাপ্ত, অপরিমিত। প্রীতি, প্রেম। সংগৃহীত, সঞ্চিত। 🕟 পুनिकारीन, পুনরাগঠন। অবহাব্যঞ্জক, অবস্থাপ্রকা-अवह । আলেখা, চিত্রপট। স্বপ্রতাবে কিন্ত, স্বাবলোকন প্রকাশিত। वावश्वाद्याः, वावश्रदेत कत्ना । निवातशादर्थ, निवातरंगत জন্য | 🔆 🧢 " कुल, क्या। বিনিময় বদল। অধিপত্য, প্রাভুত্ত্ব 🕒 शृक्तवद, शृक्तमञ। প্রভারত, অতিশ্র বৃদ্ধি। **ऐक विका**न, श्रञ्ज विमा। थामारम, अछोनिकात।

শক অর্থ (৫১) শক

चमूरत, निकर्षे। निर्मिष्ठे, निन्छिड ! পরিবন্ত, বদল। বিষয়রসপরায়ণ, বিষয় স্বৰূপ রসেত্ৎপর। ঋজু হভাব, সর্মস্বভাব। একাত্র, উৎস্কৃক। ওণগ্রামের নিমিক্ত, ওণ স-मृ रहत जना। প্রসর, সন্তুঞ্চী। উপাঢ়ার্য্যের, श्रमधनाम कर्द्रन, (सन्। গতিবিধি, বেতন। কারণবশত, কারণ জণা। ্অস্বীকার করিলেনঃ অস্ব দাত হইলেন। বিনয়বাক্যে, মনীভূত বচনে আবশ্যক, প্রয়োজনীয়। বিশ্বাস, প্রতার। প্রমাদাকাজ্জী, অর্থলোভীশ **हा** छे कांब्र श्वीमा भूपन । একাশীতি, একাশী। বয়ক্রমে, বয়সে ।

কলেবরপরিত্যাগকরিলেন, मत्त (शतनम। দেহাত্যয়বার্ছা, মৃত্যু সমা-চার ! শোকাভিভূত, विश्वन। তল্লিখিত, তাহার লিখিত সংগ্রহ, সঞ্যা। মুদ্রিত, মদ্রান্ধিত। স্থশিকিতা, স্থিজ। শরনাগারপরিচারিকা,শরন ধৃহের পার্চিকা 1 পরিচ্ছন, বস্তা। পারিপাটির, পরিপাট্যের (इसे। युष्ट्रा অন্তিমকাল্পর্যান্ত, কালাবধি। धामारे, जपनारे। मामाना, माधादन! খনাদর অপ্রজা ৷ কৃত্রিম, মিখ্যা। অবেক্ষণ, অবলোকন। বোধ, প্রতীতি। নিৰ্মল, মলাহীন।

জ্ঞানেলোকসহকৃত, জ্ঞানের यवश मीखामि। প্রভাববশতঃ,সরলচরিত্র · 5 A) मशोलू, क्षालू। উদাহরণ, দৃষ্টান্ত। প্রদর্শিত, প্রকাশিত। সভত, সর্কা। ननश, नश्राकृ। পরিচর্য্যাথে, সেবার জন্য। অসুবিধা, অসুলভ। প্রতিদিন, প্রত্যহ। मकानबाद्वरे, मन्नाका-(नई। यशारुथियः, यदनामाना। পরিশ্রম, ক্লেশ। অধ্যবসার, প্রেষত্নের। ष्टरकदिध, नानाश्रकात्। क्यारिनाशांक्यन, क्यानिना । ব্যপককাল, অধিককাল। অবস্থিতি, বাস। আত্মশ্রায়া, আত্মগর্বা। ছু দ্বি য়াসক্তির,কুকম্মেরত। পরতন্ত্র, তৎপর।

অর্দ্ধশতাধীরঅধিককাল, পঞ্চাশ বৎসরের অধিক সময় | কাল্যাপন, কালক্ষেপণ। হীনঅবস্থায়, ছুর্দ শায়। ष्ट्रः मह, य शांतक ष्ट्रः थांट সহা করিতে পারা যায়। প্রপঞ্চনামাত্রপতিকান্ত,কে. বল জমাতীত। বিরল, নিজ্জন। यम्क्रीनाजमत्स्रायः, यद्य-জ্যানন্দোপাজ্জন। প্রশান্ততিতা, অভিধীরমন। অবিকৃত, অবিকল। গ্রোশাস। অন্তঃপাতী, মধ্যবন্তী। জমগুহণকরেন, জমান। লৈশবকালে, বাল্যাবস্থাতে व्यमागात्रण, व्यमामाना। वित्माभाक्तन, विमालान। খ্যাভি, যশ। वयः क्रमकादन, वयुरम्ब ্য়মুয়ে 🎚 कावा, शमा।

त्रहमा, शुद्धविनामा। গ্রনিত, গ্রনার যোগ্য! ব্যবহারসংহিতা, মন্নাদির ক্তশাস্ত। দর্শনশাস্ত্র, শাস্ত্রবিশেষ। বিচার, বিতর্ক। রাজদূত, রাজকভ্ক নি-किछेठत। সমভিব্যাহারে, সঙ্গে। वृक्षिरेन श्रुग, वृक्षित भाति-अहा। সুদীলতা, শান্তস্বভাবা। সুপ্রনিদ্ধ, সুবিখ্যাত। প্রতিষ্টা, গৌরব, প্রসংশা। সক্ষত্ৰই, সকল স্থলেই। चाह उ भनार्थ, मह्द्रां कि, জ্ঞানীব্যক্তি ৷ পরিগণিত, গণিত। প্রশংসিত, প্রসংশাভাজন। প্রত্যাগমনের পর, পুনরা- যৎপরোনান্তি, গমন করিলে পরে। যে ব্যবসার ্ছারা জীব নোপায় স্থিতি হয়।

অবলম্বন, আপ্রা 🌃 धर्माधिकत्रदगत्र, धर्माधिका রের। আত্মপক্ষ, স্বকীয়। সমর্থন, সামর্থ অতি প্রভূত, আত্যান্তিক। প্রতিপরি, সম্ভম। কামিনীর: স্ত্রীর। পাণিগ্ৰহণ, বিবাই। রমণী, জী। রমনীয়, মনোহর। (वाना। डेलब्खा। भश्यर्भिगी औ। সমুচিত উচিত। मन्भवि स्ट्रांस नम्म। বিপত্তি, আপদের সময়। পরস্পরে, উভয়ে। অবিচলিত, প্রগত। महात, अन्य। যার পর व्या नाहे। व्यवहाता कीरवत वागवनरत्र, किश्विष् शद्यहे, कि हू मिन , পরেই। দৃষ্ট হইবেক, প্রকাশ পাই

নিগৃহীত, বিগ্ৰহ। কুেশশান্তি, শ্রমদূর। প্ৰিপ্ৰাণা, প্ৰিত্ৰতা। রমণীর জীর। ঐকান্তিক, গাঁচ, অত্যন্ত। কিপর্যান্ত কতদূর। উপযোগিতা, ফল সাধনতা। कुर्शिरमगरा, विशामत मगर्श । ভূমণ্ডলে, পৃথিবীতে। म अनी टिदियग्रक, मखादि নেরধারার বিষয় ৷ 'বিষম, অত্যন্ত। विजश्वान, विवान। विमक्ष् न, विश्वा ধর্মনংক্রান্ত,ধর্মনম্পর্কীয়। উমন্ত, পাগল। ভিন্নপকের, অপরাপর म्टल्त्। উদ্ধত্য উৎপাত। कनह्थित्रजा, विवादन-চ্ছ ক স্বভার। (मोखना, माध्रु।। माकिया, बाह्यकूला।।

একান্ত, নিতান্ত। বিলুক্ত, লোপপ্রাপ্ত। ग्रवमाग्निककार्या। अनत्क, ব্যাবসাসম্বন্ধীর क (ल। বিবাদৰাগুরাতেপতিত্হই-शाहितन, कनस्कात তে পতিত হইয়াছি। (लग। ছুৰহ ছুদ্ধর। ভুল্যমতাবলগী, সমমতা-खंदी। বিজোহাতিযোগে, আনি-के मःदबद्ध। नीङ, जनी**ङ।** 👵 🥫 আধিপত্য, প্রভুন্ত্র। যথেচিত, যথোগৰুক্ত সহায়তা, সাহায্যতা। यञ्ज । প্রবাস, निष्कत्र । বিকল, প্রাণদৃষ্ট, বধদগু। অন্তঃপাতি, মধ্যবন্তী। ছুৰ্গ, পড় 🖟 कावज्जीवन, कीवनाविध

দারুণ, অত্যন্ত। অবিচার, অন্যায়। সমুদয় | मर्वयः क्उइइन, यनপूर्वक अइन করা হইল। বিচারারভ্তেরপূর্কে, বিচার ভত্ততানের প্রর্থে। সাংঘাতিক, প্রাণনাশক। দাক্ষাৎ করিবারনিমিত্ত, দেখাকরিব'র জন্য। रेश्युक, खेदक्री। ্বিধানেরপ্র, ব্যবস্থাদিবার * পর । কারাধিবাস সহচরী হইবার ার্থনায়, বনিদ্রশালা-য়ে বাসকরত সঙ্গী হও-নাৰ্থই ছোর। योक्षभावनश्ची, श्रीकेषमा खशी। প্রবর্তিত, নিযুক্ত। नामानू गादत, े नामानू या য়ীক। बत्याशी, बत्रवर्डी। नेरिद्रांथ, धन्दु।

नर्कनाथात्रगटलांदकत्, ক নকার। তদ্বিষয়ে, সেই ব্যাপারে। অমুমতি, আজ্ঞা व्यतिर्वहनीय, दोकांडींड। অনুরাগ, ভক্তি। মুগ্ধ, মোহিত। প্ৰীত, আনন্দিত। স্থরচিত, আত্মলিখিত। कादा, शमा । ज्यमी, यदश्ये। मनिधानावशादक श्रामीदक। অক্ষাত্রনে, মহাক্ষকারে। चूर्याकदरामदा, मृत्यामदा। বর্ণনা. রচন: গ্রাসাচ্ছাদন, অমণ্ড। निकी हार्थ, आधितकना। আনুকুলা, সাহায্য ৷ প্রস্তাব, প্রসঞ্চ। গর্ব্ব, অহংঙ্কার। উত্তর্দিলেন, যবাব প্রদা-न क्रिलिन। সংস্থান, সংস্থিত।

[।] আবশাকব্যয়নির্বাহকরি**তে** | অভিমত্ত, মনোমত। ব্যয়দাধন করিতে পারিব। অন্যের, অপরের। ব্থাপোক পরবশ, নিক্ষলশোক কশীভূতি। পতিকে, সামীকে। চেকী, যত্ন। অধ্যায়ানুরাগ, পুস্তক পা-ঠানুরক্ত। বিসক্ষণ, রিশেষ। বিনোনশোগায়,হর্ষোৎকুলা িবস্তুত, বান্তবিক। खनव**ी ज| या। महका**रत, ख-• প্রশাস্তগুস্তকমন্ত্রলীতেপরি-বৃত্বাজি, জানী বাজি। সাংসারীর, ক্ষীয়। नक्षरहे विशाम । বিষয়, জৃঃখিত ৷ এতাদুশা, এই ৰুপু প্রকার তথানি, তাহাই। अक्रम्टल, मृण्यानिटल्। नित्रिक्, नित्रक्षे। নিগহীত, অ্ধৃত ৷

পারিব, প্রয়োজনমত। প্রফুল্লচিতে, আনন্দিতমনে कालयाश्रम, कालएकश्रम। উন্ধার, মুক্ত। माध्राम, मन्यान्ता 🚲 একা । নিতান্ত। वधारमधिनी, यज्ञयुक्।। वार्मन्त्र्विष्टि है,निश्मरेन्त्र भरत । ণতিব্যুভিবাংহারে, শ্বামীর मर्क । অনুমতি, আজ্ঞা। কামিনীর• জীর। উলোগে, जनूष्टीता ণাদিতা পত্মির সাহার্যো তদিষয়ে, সেইব্যাবস্থাত। विद वक्क, विनक्ष वृक्षिमीन गुरुखं, छूरेन्छ नमेन्र। नश्मात भय हिन्छत्न, त्मथ्रान। वित्रह्म, काछ। वासूक्ता, मार्हाधा। উপেকা, তাছলা। नधातवजी, नगतस्

পাঠার্থ, পরিবার জন্য। ्रुखक् नाग्रत्नत्रः श्रञ्जा-निवादत । কর্ণ্ডকের্মধ্যগত, ঝাপীর स्था निया। প্রতিপ্রেরিতকুরিতেন, তা হার নিকট পাঠিয়া नि(लन। মলিন, অপরিষ্ঠার। প্রকানননার্থ, ধৌতের काना । রজকালয়ে, ধোপার হুছে। **उन्न २ क** त्रिया, धक हि २ मत्न्हत्वाथक, मन्दिका-मरा । দুটিগোচর, সাকাং। निथिन প্রয়ন, অন্প প্রয়াস বৈথিলা, শিথিলতা। প্রাত্রভাব প্রভান্ত, প্রব-লভ| স্থানা রিতকরিবার, অন্য ञ्चातन लास याहेवात।

বন্ধুবর্গের, মিত্রসকলের। কম্পনা, চিন্তা। -বায় প্রবেশার্থে, বাতাস यारेवान करना। ছিদ্, রকা। मःकिथशान, श्रांत। : इंग्क्त. वक्त 🖢 কতক্ষণপর্যান্তথাকিতেপা द्रिम, क्लमग्राविध इहि তে পারেন। পরীকাকরিতে লাগিলেন দেখিতে বিশেষ**ক**পে लाशिद्रलम। অনমূর, তারপর। তুর্গাধ্যক্ষ্যের অসন্নিধানরপ স্থযোগ, দুর্গাধক্যের অবর্ত্তমান স্বৰূপস্থার। बनाधिक, अञाखिक। শরীরণাত করিতেছেন, জীবনশেষ করিতেছেন। রাশীকৃত, অনেক। वामना, वाञ्चा, रेष्ट्रा ! প্রার্থনা, বাঞ্জা। নিৰূপিত, নিশ্চিত ৷ 🐇

टेमनिक शुक्रय, रमनामयकी- विकार, शांकि । য় ব্যক্তি। व्यवडीर्ग कतिलः नामारेल উত্তীর্ণ করিল। সমধিক ভাবাকান্ত, অধি- প্রভংমক্ষণ। ক ভাবযুক্ত। অব্যাকুল চিভ, ব্যাকুল র-हिত गत्न। **छे** छुत कतिरलन, यवार्तान-লেন। मिनिश्न, मिन्धा উচিত বোধ, যোগ্যজ্ঞান। বিহিন্তুতি, বাহির। গোপনীয় গুপ্ত। অবাহতশরীরে, আঘাতর हिल्दाम् । ওনাধা হইতে, তার মধ্যে उद्देख । নির্গত, বাহির। বেশপরিগ্রহ, বেশপরি-श्रम ! কর্ণিক রাজ মিক্রিদিগের গুন্থন করিবার যন্ত। আপাণের, হাঠের, বাজা-ৰেয় ৷

যানে, যদ্বারা গমন করিতে পারে। প্রস্থান, প্রায়ন। ব্যাপারনির্বাহ হয়, কার্য্য माधन इत्र 🛴 मृष शाष। প্রভায়, বিশ্বাস। বিপক্ষবর্গের, শত্রুদলেয়। ক্ষমতার, শক্তির। রোগাবিসূহ রোগা**কান্ত**। শ্ব্যাগত, উপ্থাপন শক্তির-1-(5) কিয়দিনপরে, কিছু দিন এবিষয় প্রকাশ হইলে, এই কর্ম জানিতে পারিলে। পূর্ব্বাপরি, প্রথমাববি। খীকার অঙ্গীকার। জোধৈ অন্তাহইলেন, সাহি শর কুপিত হইলেন। যৎপরোনান্তি, যারপর আর নাই।

ক্লেশ, যন্ত্রণা। পরিশেষে, ভাবশেষে। मुक्तिआश्व इहेरलन, जांग পাইলেন। পামর প্রস্তাব করিয়াছিল, কুবাক্য বলিয়াছিল ৷ কৰ্ত্তব্য, উচিত। করণ। সঞ্চার, দয়ার উদ্ভব। অগ্রাহ্য, ভুচ্ছ। महिमाजी, भश् । পতিপরায়ণতা, পতিব্রতা। নিৰ্ভা, শসাং হিত। निन्दिन, हिनाइरिन। মুমাগত হটলেন, আই-६८ लग । বহুব্যয় সাধ্য, অধিক ব্যয় ক্রিলে সম্পন্ন করিতে পারাযায়। অসম্ভতি নিবন্ধন, অভাব क्नां। অধিপতি, রাজা। রু ন্ত, বার্থিক। নির্দ্ধারিত, নিশ্চিত। অহিপ্রান্ত, অনবরত।

যুশ্ঃ শুশ্ধর, চক্রের ন্যার খ্যাতি ৷ বিদ্যোৎমান, দীপ্তি বিশিষ্ট। ध्यनगुमना इट्राः, এक का-র্যাসক্ত হইয়া। हिट्डिय विषय, अञ्चल ष्ट्रा । ব্যাসক্ত হইবার নিমিত্ত, বি (भैटव कांगक इ**रेवां**त क्रम। অনুরোধ, উপরোধ। थाकुड यथार्थ। व्यक्षीनडा निवज्ञन, व्यत्नातः প্রবশ জন্ম। বিস্তর ক্লেণ, অন্যে ছঃখা হত। দর, মর্যাদ রহিত। स्राप्त म, विकासिं। প্রত্যাগমনার্থে, ফিরে.ভা নিবার জন্য। हेटस्क, हेटक्किंड। कर्जनाकड्वा, डेव्डिब् চিত। স্থিরীকৃত করণার্থ, নিশ্চয় कतिवात जना।

প্রাড়িবাকদিগের, **ज**क्ति। ু গোর। অনুমতি লাভ করিতে পা-রিলেন না, আজ্ঞাপ্রাপ্ত ি হইতে পারিলেন না। উপদেশানুসারে, শিক্ষানু यःशीकः। সাহস পুর্বাক,ভরসাকরিয়া। य दिनातन, य मगरम , অভিযোগ, নালিশ। অপরাধ, দোব। क्रमा, माश्रीमा अञ्चना। বিপক্ষের! শক্রা। অপদস্থ, অসম্ভন। অবমানিত, অমর্য্যাদান্তিত। তাঁহার পক্ষে খড়গ হন্ত, इइराष्ट्रितन, टारांत्र मि दक इहेशाहितन। बातुक्ला, भा शंगी। व्याष्ट्रिवां दकता, निष्ठां तदकता। ষোষণা, প্রকাশ। चर्तिरमञ्जूरथाकान इरेग्ना-(ছ) (मगर ममूनाय

मीला मान इहेशारह।

नृभः निर्फत् । অবস্থিতি, বাস / রাজ্ঞী, রাজরানী। दमी छा कार्यात्र, কর্মে। ছুৰহ্, ছুদ্ধর। কট এদ, প্রমযুক্ত। বিরক্ত, ত্যক্ত। বিশিক্টৰূপে, উত্তমকূপে। ছूर्याश, विशम। প্রত্যার্ভ, পুনরাগনন। चिद्या, चित्रत। অবিশ্যা কারিতার দোয়ে, অবিবেনার দোঘে। আয়ুঃ শবে, জীকন স্মাতে বিরত, কান্ত। षकाविश्म मियतम, षठीतम। ত্রিকটি, তেয়টি। অকশাং, হঠাৎ। कानवारम পुडिंठ स्ट्रेलन, मद्बदशदल्म। পরিষ্কৃত, সহজ্ সন্দ্রসমূহের, রচন সং হের।

रेनम र्शक, श्राक्तांविक ।

नित्रविष्ट्यः नित्रखत् । व्यक्ष्माडनकाटलः, नश्यिष्ठि व्यानकात्रिकः, व्यनकातं मय পृथीः, श्रीवी । कीत्र । উৎকৃষ্ট, উত্তৰ । ত্রীরুদ্ধি, উন্নতি।

मत्रु हित्रम, इर्नि ।

अमा शहा करवन, समान।। 的复数形式 医下門 1 ুল্লজীব, বাদ্য হস্তাদির ছুৰহ, কঠিন। कर्मा १ क्रोतिशामिक्रीहरू विष्टमः থাৰণাৱৰ কহিছেন। उक्तकारम, मृद्राक्तरम। उनी, मश्यमविभिन्छ। विशासूनी तन, विमाणाय। अयुक, कना। ন্যায়, তক্শাস্ত। भौडि, मह्लदम् । मदन सना चरायम, श्री

উক্ত, যাহাপূর্বোকথিত इहेश्राट्ड ! विष्णाजिङ्या, हिनश्रकातः विमारि । ব্যুৎপন্ন, সমাক জ্ঞান। অসঞ্চি, অভাব। প্রতিবন্ধক, বাধা। खुताश, भीषा ব্যাঘাত, বিঘু প্রথমপাঠ্য, প্রথম অভ্যা- टेमिनिक, সেনাসম্বন্ধীয়। वामाकत्रमञ्जामात्र, वामाक রের দলে নিযুক্ত।

অর্থ (৬২) শব্দ অর্থ

ানভিব্যাহারে, সফে। কিতপেরবৎসর, কিছুবৎসর। লোচে, একস্টের পর বিরেন। प्राहि, श्रम्भा (प्रश्निश्च १०००) एत्व प्रविद्धि, वाम । भिन्द भवकी । प्रतिकृतिक, वह १। अभिनिधि, स्वश्न, वृप्ति । त्रमृक्षिः वृक्षिवृक्षि। अनिगर्हिटः नः , उद्यग বদৈশিকের। বিদেশীর ব্যাসক্ত, বিশেষেতেরত। লোকেরা। অনুসর, অবকাশ। टिलम, निककमङ्गि। এक्टिक्ट्री, मनस्ति শিরিজাগপুর্বাক, ভারে: করিয়_{েই} করিয়া। ্ট্রপলকে, ক্রিণে। তিশ্র বজের সহিত। ্ছুঃস্হ, ব্ৰেক্ত জুবেতে অনুশীলন, চচাঁটি সহ্য করিতে পারাযায়। বিনাসাহার্য্যে, সহায়ন। অধিকারে, প্রভুত্ত্ব। করিয়া। অস্কুবিধাঘঠিয়াছিল, অসু মুখ্য, প্রধান। লভ হইরাছিল। প্রভিপার, মান্ধ। वासुक्षदश्मत्र, महात् छेन्छ। अवस्थि, विविध। छिभारमक्छा, উপদেশ অনতিবিলয়ে, भीष्रा कर्छ। ममार्थान, जम्भवा जनागावद्यारमञ्जना।

াক্রা, গমনী তিত্তবাহণকরেন, নির্বাহ ৾ অংগ্রহাতিশরসহ্লাবে, দা ব্যবসান্তরাবলম্বনেরকারণ, दुर्याहार्याहरूर, वाना छेशकाह, कन । (तक)। यद्यत उपटमधीत कर्या। पर्नित्क, क्लिट्वक, इह-

यञातिषक् यां चे विक। । जानुकतर्ग, নিবিউমনাহটলেন, মন উভ্তত প্রফল্লিত, প্রকাশিক। मश्दयांशं क्रियान । পবিত্যক্ত, তাগ। পরিচিত, বিদিত। षामुक्ताः माग्या। जमधादगरेनशुग, जामा-। মান্যনিপুণত!। भक्कवर्गाकः अवस्थक् क अधिस्वस्थात्रीतः, शहीस সকলকে। तऋत्भि, मुठाशीट वाणां-मित्रं छान। অবকাশ্ন সাবকাশা स्रुत्वात्रः উত্তৰউপার। शाष्ट्रवाश, वृष्ट्रका प्रकृति, अर्थ। কিঞ্চিত্রমাত্র। কেন্ড্রনাত্র। ফোভ, জুংখ। दार्डिक्स, वाधि। প্রভাহ, প্রতিদিন। र्शता, पृष्टेम धकाल। বিমিশ্র. বিশ্র। মন্থ, পার্গ। श्विनिक, सूटन। व्यविकिया, सूठन रस्रक्ष প্ৰকাশ।

मत्म । রবেষণাতে অবেষণেতে। মনোনিবেশ, মলোঘোগ পর্য বেক্ষণ করিবার নিমি ন্ত, সর্বোভোভাবে জ অংগোকন করিবা अना । वाज्यित्। अञ्चिशासः निकारे। मू वीकन हुन्धीं। অপরিমিত অপদ্যাপ্ত। উদ্যোগ, উপক্রম। े जाद्यारमाञ् रेनद्रान। अद्यक्त मृता वा**निर**त्र আনীত। मत्तीकशास्त्र, जगहा वीकन। चरुट्य, निक्रक देते। বিফলপ্রযন্ত্র, মিথ্যারাস পরিশেষে, অবশেষে।

চিরতার্থতা, কীর্ভার্থতা। উত্তেচনাই, ব্যপ্রতাই। প্ৰতিভা, জ্ঞান, বুদ্ধি। (ममीशामान, जाड्या-ं যান । সেইগথের পথিক হইলেন **७९**शथानुत्राभी ह[ु] त्न । শলৈকর, শনিগ্রহ। निदीक्षन, पर्भन। এভাৰতী, এইৰূপ প্ৰকার। माधीयमी मुध्याधा। নিজিপরস্পরাঘটিয়াছে, ক্ৰমে ২ মঞ্ল হইয়াছে। স্থুত্রপাত, আদিকরণ। অতঃপর, তারপর। অনুরাগসম্পন্ন, ভক্তি मन्धिक, व्यक्षिक। (निष्क्ष्य। भक्तिष्ठ, नुगन। ব্যাপারান্তর, অন্য বিষয় 📗 বিরহিত, ত্যক্ত,বিহীন। অধিক শক্তির, অপেকা-কত ৰল। ष्ठितकान मस्याहे , जन्न समरग्र मदशहें।

উক্তরোত্তর, ক্রনে২। অক্লিট অধ্যবসায়, অন্দা-शंदम। युक्त, दाँ। অবিরক্ত চিছে, ছিরমনে। বিরত, কাছা আহারান্তরোধে, ভেলজ-नार्थ छेएड हनाएयं। প্রাবন্ধ, নিযুক্ত। इस्डिटिशनन कित्रिटन मा, क्षा ६१८७ का छ एहे-ভেন না ! महर्भाषा जिल्ली। ভঙ্গ, বিরত, ক্ষান্ত 🎉 ব্যতিক্রম, ব্যাঘাত। जन्दर्शी. शन्दावर्खी। वृश्वि क्लेशकारे, सुवित क-गड¦(छहे। मन्भापन, निष्भापन। भगारककरने, मर्का**छ। छ। द** मर्गदन र ব্যাপৃত, নিযুক্ত। উল্লিখিত, যাহা পূর্বেংলে-থ। হইয়াছে।

দিবদের সায়ং সময়ে, স ক্রমিক, ক্রমাণত। क्याकानीन। স্থহস্তনিশ্বিত অত্যহন্তেগঠিত बबुदक्षे, बबुद्धा मर्डाम उरैलकरमर्ग, अ য়োগকবিয়া, আকাশ অধিতান ভূত । আকাশিভূত।। शांत्व किंदा। ভংগমিছিক, ভাষার নিজা প্রবীশ্বর বালা। 百万 বৈল্ফগা, তাৰ্ছির। সংশ্বাল, সঙ্গেই বিভিন্ন Cक्यांटिखिन, Cक्यांटिस्नाः अधात क्रमा, (प्रायण ! ন্ত্ৰে পণ্ডিত। त्शांहत, विनिष्ठ। प्यारमाशांच, अध्याविध क्ष्र्ज्ञांच, इंडानि। শেষ পৰ্যান্ত ৷ ् निक छ, भीमां ना। ज्युना त, इमानी छत्।

जुनि, एन जम। निताकुछ, पृशीकुछ। खमाविष्ठ श्रृंता, याश পুৰে আৰিজ্ভ হয়নাই। चयुर्वच, भ 🕸 🖽 भयातिय निभिन्न गीत्मात क्रगा। ं नाग्रसमाद्व, नागानुगा-স্থাৰিচ্ড, আগু কৰ্তুক देवत, अन्मत् भटमत् (य । श्राम्यः । श्राम्यः । जन्मः (रंश्यः वेतः । व्यक्षः मृतः (रंग्यः चित्रः जना (प्रभीतः । श्राम्यः विकासः । विकासः জগদ্বিগ্যাত, সুএসিদা। चित्रः, काला अर्गान्मन, शर्या हैन। मृत्म, योद्यामक्कि व्यादिः कथ्छनीयः, व्हित निक्तः। शिकांछ, भीमाःमा।

পুর্বেক্তি মতের, উল্লিখিত নিরূপণ, নির্দার্থ্য ! অভিপ্রায়ের ৷ বিপরীত, বিরুদ্ধ। অননা কর্মা, একই কর্ম। यथा नित्रतम, विश्वकात त्री- वास्त्रविक, वस्त्रवः। তিতে | যাবতীয়, যত। स्रोतकन्द, मुर्चा महन्तीय बिस्तव मृद्या। **ए**टाकायस नरङ्, ८७८का जम्ल∤हन, निम्लानन। আলোকপত, দীপ্রিপতি। অধিকায়ত, অধিক দীঘ । अडी समान. বিশ্বাসের, যোগ্য। প্রভাচঞ্চন, অছির দীপ্তি অপরিজ্ন অপরিদীম। विश्व मध्या, शृधिवीत मध्या। खनार, शृशियो। ইয়ত।, भीम কাহার সাধানহে, অসাধা। অভিপায়, মান্স। বার্ষিক, বৎসরীক। ত্রিসহসু মুদ্রা, তিনহাজার টাক।।

जनना मना, अकर मना। অঘাতিয়িক তাহা বিনা। नामधिष, नामा अकात। পূথিবী।[বিশিক্ট নহে। । বছতর, খানেক প্রকার। 🚶 নহোপ্যারিণী সাতিশয় উপকারী। প্ৰবিধা, মূল্ভ। ভাত্য বড় | **ञ**ितृह्९, কটিল, অপরিষ্ঠ । প্রগাত বুদ্ধি কৌশলে, সা তিশার বৃদ্ধি শক্তিতে। নিয়মিত, নিশ্চিত। উদ্ভাবিত, প্রকাশিত। किशकिनास्तर, किष्कृपितनत পর। जेउन म्हाता, जे यजकाता। মিন্চিন্তমনে, স্থাইর চিতে। অকপানরিত, স্থানান্তরিত। **उम्बुमा**द्र, उम्बूयादीकः। इछ विनिक, इछवातागंठि छ।

ভূথাও, সেই স্থানেও । প্রধান ২ জ্যেতিঘরর্গের, ভূপেন, রোপণ। প্রোটং জ্যোতিষ বিষয়ক बहुतक, खक, दछ। । शनभनानकरतन, कर्मारान। नक्छ कर्मनकात्। नकात् (अन्यमान्त्रानीयः टेमनिकः। म स लेखा कार थालिए असे हो। बिन श्रीहरू है। পाति छोबिएकत দ্রাগত হইতেন না। श्रुक, मृहेगांभ**ा** छेनारन, वांशारन चनाद् छि अत्पत्न. चना त्नाक्याजायवस्य कति इनन, म् प्राप्त करणातः स्टार्गाः समापान, सरणातः स्टार्गाः क्यां सक्त खारम । গ্রেষণা, আন্মন্ত্র া প্রতির্ভের নিনিত্ত, পুত্র **ত**विषयात, (मुटे मकल श्लेबामित समा। ব্যাপারের ! স্বভিপায় সহিত, আহু তলীয়, তাহার। मानदमा नड। পত্ৰাৰ্ডক্ষিয়া প্ৰভাৱ কৰি **ত, श**ब निर्मिषः (शः

यना निटः

टेमरघा, भीनांद्याः शिक्षात्रमा [कि। বাভিল্যিত, আছেতিত। বাজসরিধানে, রাজার নিক-দেখিবার উপযুক্ত স আলাবণৎপ্রা আলুপুর্বি । ক পরিপ্রন। যোগ্য | भूकं धर्याः. खगुनिब। संस्थीत राजीत মরে এগলোন ् छन्द्रांत, शीवनङ्गध । ঋন্ত ত, আশ্চর্যা। ধীপপত্তির ও বুর্দ্ধির প্রা-र्या अ

অর্থ (৬৮) শব্দ ব্

शोर्रगान।।

भिक्षुना।

নরপতি, রাজা। धारमा, धक नगरम। काष्ट्राक जाळात्म, बामकात्म । डेलानेड, डेलाइड। गर्रीयः, (भू छेत्र्थि। শ্বীয়পালিভতন্যা, আপ্রা পালিত ক্ৰা। প্রতিকা, অণেকা। ধীলমগোচরে তাহার অনাকাতে। গান্ধর্ব বিবাহ, প্রস্পর প্রতিজ্ঞা পূর্বাক श्रीव • धार्गा প্রাণিগহ, বিবাহ! नमाथान, मन्ध्रवा प्यारमाभाग, व्यथमानिक श्रवन रहतन, 'শেষ পর্যান্ত।

ভদাতিরিক্ত, ভাহা বিনা। বিশুবিসগ, কিছ্মাত। मृश्रीष्ठिभलामः, भक्षुवश्राह मह्दामः এकज्ञिट व-স্তি 1 व्यक्ति प्रमनकातन, कित्र আসিবার সময়ে। मिन अकृतीय, मानिका-দি খচিত অংটা। विभागानहरू, अशिन नाम नि খিত ৷ অ্পং দান। रिः गस्टगात, विष्कृत জন্য চিণার। শোকাকুল, শোকেতে ব্যাকুল। मनन यूगल, जुइँ हक्। গতিতে |

শব্দ অর্থ (১৯) শবদ ্বত্থ

भरमय विव, गामा अकार । विषाय, शमनार्थ-अपूमि ।

অঞ্ধারাবিগলিভগইতেলা। আস্কান বাক্য, প্রবোধ **एटक्ष्मक्रम म** वाका। क्रिया। রিতে লাগিল। সাস্থুনা করিয়া, প্রবেশ

চতুথ অঙ্গ ।

অন্তৰপপতি,উপযুক্ত স্থানী। অতিখি, অভ্যাগত। चन्छः श्रुव वानी निरंगव. ना " श्रुविष्ट्याद्वः । इनवादः । সমাগ্রে, মিলনে। ৰুষ্ট, ব্ৰগান্বিত। व्यवस्थि, व्यवस्थान । देनवरग्राता, क्रोष्ट्र, व्यवस् षार्विष्ठ, ध्रमानीं । भार मकन्थ, मरनत् मानम। উक्ता, जारवयन। टेमबर्रे, विश्वाचार्रे। বিনা আয়ানে, যত্ত্বাতি-(तु (कः। कृ हकार्या, भकना । क्रथालकथन, कथ गाउ।। हिन्हहेबाहित्लन কুটারে, পর্ণালাতে। অবজ্ঞা, অবহেলা। ह्युन, काश्यु।

हित सथा खीरियात। । कुई तकारण, वालास्यत एत : জাতে ! কল উপবিষ্টা, উপস্থিতা। ু একান্ত মগ্র ইট্রা, নিতান্ত মুগ্ধ চইয়া। বাহাজানরহিত্ত ইয়াছিলে ন, ৰহিরিন্তিয় "বোধর-় রোম পরবৃদ্ধ, রাগাহিত 🗈

অপ্যান, অম্য্যাদা। শারণ, স্মৃতি। শ্নাক্রদয়া, ভেষালেশ র মোচন, মুক্ত। े दिख्यमः ्र<u>भ</u>्यन्तीसः । जनसभीत्रः । व्यश्राधिनी, मार्चिन क्रबंबदन, इत्छ। শিন্টা! ष्ठिनिटकल कतिया, पर्भन विनाम, ज्ञालन। করিয়া i সত্তর, ত্বরা করে। जारकल, जुःशा भाना, भन आकालगार्थ। क्ल। অর্ঘ্য, পূজার দ্রব্য। ধারমান:, পশ্চাদ্বর্ডী। কুটীরে পঁছছিব র পুর্বের, ঘরেউপস্থিত হইবার ্ ভাগ্ৰে i অভিকুটিল হৃদয়া, । । । । অসরল মন 📗 👚 অনুনয়, স্তুতি। প্রভাবে, প্রতাপে। महिमा, मरुख। অন্যুপা, বিপরীত।

অবিজ্ঞান, সমানজ্ঞান ৷ मनीहरू, जनाहरू। আশ্বাদেরপথহইরাছে, হ ইলে ও হইতে পারে। কপোল, গওদেশ, গাল স্পানহীনা, চলৎ শক্তির-হিতা। भू निष्ठ नवना, हक् निमी-निज। চিত্রাপিতের ন্যায়, আঁকা ছ্বির মত। পতিচিন্তায়, স্বামীভাব নায় 1 অভ্যাগতের, আগমনের . তত্ত্বাবধান, পরিচর্যা। 🧍 क्नांचत कता इट्रंबक ना. काशास्त वना इरेरवः क ना নবমালিকা, নূতন পাজাক माना। ं त्महन, चार्ने कत्।

শত্যাগমন করিলেন, কি প্রফুল বদনে, হাসামুথে । (त चाइरलन। াবিষ্ট হইয়া, প্রবেশ ক- পারতোষ, সংস্থায়। বিয়া। প্রদর্শন, দশন। রিয়া। হোমকার্যা, পঞ্জ মহায- অনিকাচনীয়, বাক্যাতীত। । ८ळात्र मर्स्य एळ विरम्ब । उन्ह मिनाम, स्मिति म-देनवबानी। आकाम व नी । भीत्र मृत्रश छिन्नवरुषः, मृत्रवर्थतः छपीत् छारम् ज्ञासः, छा-क (ना उर्लाव्स, उलमार्थ छ- डेस्माल, डेल्ड्स। वर्गा। लामि शृष्टम, विवाह। (ल) **५**६९म हत्यादन, (सङ् माइन) গর্ভবতী । অংসত্বা। পরিণয় রুভান্ত, বিবাহের যুক্ত! বৈবরণ । भूबद्धां ५ दह । अस्ति । अस्ति । १४११ । সন্মতি ব্যতিরেকে, অনু- উৎকৃতিত, উদিয়া। " মতি বিনা। আর নাই। জীতি, জাননিত। পূর্ণ ইইডেছে। সুগ্তা, যায়তা।

সাভিশয়, অতাস্থ श्व प्रशासनाधीक। প্রস্থান সময় উপস্থিত হই-ঘটেবার সময় 英奇()对 1 यथा भष्ठव, (यमन डेल-नम्म अनवत्र गुल्यतः ति यर्भाता माखिः श्राह्मकः भृतिकः क्षाट्टाकः व्यक् किर्भेड अल्लाका भति-সংপাতের, উত্তম বরে। কঠরে ধ, গলদেশ বদ্ধ। । বাক্শক্তি, কথার ক্ষমতা। জড়তায়; অস্পষ্টতায়। **অভিভূত, অচেতন**। रेवक्रवा, विकल्छ।। **সং**সারীরা, সংসার সহ ন্ধীয় ব্যক্তিয়া। छुश्मर, जमरा। लाक्दर्भ मध्त्र, জুঃখ

ৰূপ যাত্ৰার শেষ। অনুর্থক, নিধ্যা। -कालइत्न, कालरक्ष अद्यादनः व्यास्तान। সলিহিত, নিকট স্থিত। खन(महस मा कतिशां, छटा नामिशा ह कमाह, कूदाशि। भावतं छंक कतिरहम मं, পাতা ভাঙ্গিতেন না । कुमूम अमरवत्, कर्लाव्या तमास्वारण, तमास्वारमा

স্ময় উপস্থিত হইলে, উপ युक्तकाल इंहेला।

मत्नत् ।

खतूरमानन करत, अर्द्धाय। मधुकेती, खुमती। श्राम करता

গাত্রে খান করিয়া, বিছানা হইতে উঠিয়।। खक्षकाित्रक, शिलािन मकन (क। অশ্রুপূর্ণময়নে, বাষ্প্রারি পরিপূর্ন লোচনে। व्यायानुद्धातन, स्रामीदन। বাগ্ৰ, উৎকণিত। वितरम, दिष्क्रम। সচেত্র, যাহার জীপ क्षाट्ड । নিরানন্দ, ছংখিত। শোকাকল, কৃত্রেভ

शाक्न। विदारत, थानार्थ छ्यत्। পরাম্খ, বিমুখ। करत डेष्ट्रथ मुल्याङ्ग्ना

नी दर, निख्का। মধুকর, ভুমর।

বিমুখ, প্রামুখ।

: বির্ত্ত,

धनिः भया বিলম্ব, গৌণ। ভাত, পিত वनट्टाविगीतक, वृक्षम् अध्याखन, आवमाक। कन (क। भाशावाङ्बाता, जाल शहर- छिल्लिस, र्वत धमना हार्।। (अक्चर्ड. (अवचर्ड! प्राक्तिकन, शतकाविद्युवा । विद्यापानश्चापत्र अविद्य-আজ অব্ধি, অদ্যপ্রা হয়েরমর্পণ, ভারাপী।। भागल, डेगल, तु निमाः বুছিত। मानुसः, श्राम्याभव का। शूर्वशाची, तमामाम स्थाप्त । পুর্বের कृष्णित्वव अत्यक्त বহিভাগে। क्रावक्षमध्यमकदित्न, कि हूलम्(भरना গতিভক্ত, গমন্থি। भाकृतिरमा भर्टे त्ल, क्मनी-द्रविष्ट्रिक्ष क्ष्रेंद्र । প্রতিপালন, লালনপালন . শ্যামাক, ভূনবিশেষ: ্ সংস্থেশ সম্চার, সংবাদ।

फट. कड़ी घा। इंक्रुडीहेंडम, टेडमरिटनय। ्द्रग्रहाचन, अन्द्रभाराम। स्टब्स्, स्टब्स् की देशका, श्वानिका म्। अप्ता विद्यालिक। िर्हे(स, जन्मशृक्ताता-विभिद्रल । ष्ट्राट्यमन, निद्दमन। उभागाः, भृत्वारिकत्त्वभः माजनक्कार्या। श्रथानवरामा, लुकेकृत्व। अत्या प्रदेश स्थापित । (ब्रष्ट्राक्टा, आंग्रहेष्ट्रा-ক্ৰমে | अम्लालिनी, जिल्लाहिनी। महर्थाकी में व करें है। 制限 क्षेत्र व्यक्ता, वर् स्त्य राजा।

শব ভার্থ (৭৪) শব ভার্য

লৌকিক, লোক ব্যবহার অনভিজ্ঞ, মূর্থ।[সিহ্ন। গুরুজনদিগের, পিতৃতুলা लाक मकरनर । ७भूया, मिदा। সপত্নীদিগের, সতীনদিগে র, এক পতির স্ত্রী দিগের मन्त्रृर्वमग्रा, मित्रांच कृता। माकिना, जानुक्ता। সৌভাগ্য গর্কে পরিয়ত, মৌভাগ্য অহংকারে অ হংকত। श्रामी कर्कमा अमानकतिल পতি কুবাক্য বলিলে। রোষপরবশা, রাগেতে বশীভূতা। महिलाती, नाडीता । शृहिनी भम्वादिकां, श्राम नियुक्त। कुरलत्रके के स्वाप, कुरल র মুশল স্কুপ। विश्व मिन्नदेक, ভार्यामिनदेक। य्ये श्रील कहिरलनः स्यमक ल विलिखन।

ফিরিয়া যাইবে, প্রত্যাগম न क त्रिव । शमशमस्यद्भः, जन्भकेदहृद्मः। ' জুইচকে ধারা বৃহিতে লা म्हात कन्त्र ক্রিতে লাগিল। সংসারিক ব্যাপারেন সংসা त्र मस्कीत कार्या। ञ्जूक्, मर्वान वाषः वाकुता। বিরহজনিত শে'ক, বিজেন জন্য চুঃখ অনুভব, অনুমান : পিতার চরণে নিপতিত হ इंग्रं, जनक्त अन्डर्ग পরিয়া। 🥗 ধরিত্রীর, পৃথিবীর। একাধিপতির মহিষী একে খরের মহিলা। অপ্রতিহত প্রভাবে, অপ্র তিঘাতপ্রাপ্ত**সা**হায়ো। श्रीत्रञ्जतादक, आश्रनीत मनुबद्ध ।

वर्थ (१৫) भक

সিংহাসনে সন্ধিবেশিত,সিং ক্রন্দন করিতে লাগিলেন, হাসনাৰ্চ। ্শোকাবেগ সম্বরণ করিয়া। ভদীয়হন্তে, তাঁহার হাতে। শোকরপ্যাতনা শেষক সাভিশয়শক্তি, অত্যন্তভয় বিয়া। প্রাপ্ত। আশ্রমাভিমুখে, কুটারের श्रुवन्त्र इहेटल्ड, श्रुव्य निर्धा কাঁপিতেছে। । অনুনামিনী, গশ্চাৰন্তী। স্থাপিতধন, স্থিতীক্ত অর্থ। ভীত, ভয়প্রাপ্ত। ধনসামীকে প্রতার্পণ করি-বিদায় লইয়া, গ্যনানুমতি গ্রহণ করিয়া। नमचित्राहात, मत्म। নিশ্চিন্ত, চিন্তার্হিত। প্রস্থান, গমন। দৃষ্টিপথেবহিভূতি দশনা নৃত্ত, উদ্বেণরহিত : ভীত ৷ । তদ্রপ, সেইপ্রকার। উচ্চৈঃশ্বরে ক্রিন্দন করিতে অদ্য আজ্ञব্ধ। লাগিলেন, চিৎকার শব্দে প্রেরণক্রিয়া, পাঠাইয়া ৷

পঞ্চম তান্ধ।

রাজক্রার্যাসমাধানান্ত,রাজ- | আসীন, উপবিষ্ট। কার্য্য সম্পাদনের পর। ्र कारम्, निर्झरन।

প্রিয়বয়স্য,প্রিয়সংগ (স্বাসে কথোপকখনরসেক,খাবার্জা

मझीटमानाय, शीरवामा- कथुकी, अष्टः शृद्धांधाक । मिद्र शृद्धः। মধ্রস্বরে, মিউ^ছরে। च्छा जिनवमश्रु त्वारं छ, नवमश्रु আকাংকার। সহকারমঞ্জরীতে, অতিসৌ রভযুক্ত অঙ্কুরে: কমলমধুপাণে, शिद्ध। বিশ্ত, শৃতিরবহিভূত। हे मना, हे दक्कि। अञ्चर्यन, अनुमकान। भरनाइत, मरनाहम। षांकूल, गांकूल। श्रिवंकन विवह वाजित्वरकः প্রিম্ব্যক্তির বিচ্ছেদ্বিনা। আকুলক্দয়, অন্থিরমন। অনতিপরিক্ষু টকপে, অঞ कार्गाबद्य। व्यास्त्रीन, अनश्ख्ति । श्वित्राभीकाना, मृष्वक्ष्णः।। স্ভিপৰেআৰ্ড, স্বরণপ-बादबाइन। বিতক, বিভঞা

কৃত প্ললিপুটে, ক্লোড়হন্তে। ধর্মারণ্যবাদী, তপোরন বাসী। অতিমাত্র, অতিশয়। আদর প্রদর্শনপূর্বাক, সন্যা-न क्तिशा। পল্ম^ধু উপাধ্যায়, অধ্যাপক। অভ্যাগত, হঠাংআগত। বেদবিধি অনুসারে সৎকার করিয়া, ধর্মপুস্তান, যায়ী-क शास्त्राभिना भूकिक। ইত্যবসরে, এইঅবকাশে। তপস্থী দর্শনযোগ্যপ্রদেশো তপদ্মীসাকাতকরিবার যো ं शा श्रांति। विक्रियम, मानावादिक। विध्नघिषाट्य, वााघां छह-ত্রালা, তুষী। [हेशारह। অধিকারে, রাজত্বে। निक्तिरघु, निकिशारम । নিরাকুলচিত্রে, সুখানদ मत्न।

অর্থ

অমুঠান, আরম্ভ। এট হে তুর্গ্রাত হইয়া, এই करा जानित्व इहेश। धमार्यमः खनकी क ना धनाः-भ: । वानीकाम, मञ्ज्ञश्रार्थना। अवस्थकात, बहेन्या अकाता देश्यानलयन, महिक् छाला व्यागमन करियात्ता, व्यक्ति दात सार्वास्थ्य । विनयं, नम्! नाथ्यान, धरावान। विविद्य, मान्ध्या। অব্নত, নত। वर्षाकालीम असि मारा वातिस्व कराम । অ্ধাচ ছাবেণ ম্প कलव्यान, त्यसम्बर्धः । धन करत, सम्बद्धादत भीह ভাবাজ্যाই करता अथाः बीटि । क्षनिविभिष्ठे।

. ज्यानाम, देशम्कन्यम।

অতিশয় শক্ষিতা, অভাস্ত ভরযুক্তা। অবগুঠন,মুখাবরণ ঘোষটা क्लावरगातमाधुती, कावि পুঞ্জার মনোহারিছ। नयनभावतः पृष्टिभावत । তাপদেরা, তপধীরা। আসন পরিগ্রহকরিতে ক (करणन, धानन **लहेर्ड र-**निहिल्लन । 专行人有政党的国际】 भ्याजसार शुनामार्जात । শু : প্রায়ত, তাপ্রবাকে চ্রি ेलान (तर्गहमा)। বারিভারেন্মুভাবট অবল- রাঞ্শ্রসংখ্রহইল, রাজ-न्म मकत क्हेल। क्नल, मुक्तः। , मकाश्टमरे, मुक्कश्चकाद्वरी ममृकिरानी भगाककारशन-। अधमनमाश्राजाहित, अधम. আগমনের উচিত। অনুগত্যভাব, ন্মৃতাব। শিক্টাচারপরস্পরা, সাধ-ব্যবহারানূপকী।

वंश

्रशतिनमाश्च इहेट्या नच्छार्न कर्ल भिष । इहेरल। অজ্ঞাতসারে, অসাক্ষাতে। পानिगुर्न, विवार। অন্তঃসত্ম। গর্ভবতী (শঙ্কিতা, ভয়ান্বিতা। বিশ্বরাপন্ন, আশ্চর্যান্তিত। সুিয়মানা, মৃত্যুপ্রায়া। लोकिक रावहात, त्नांका-ठात निमा বিলক্ষণঅবগত, বিশেষ ক্র-পে জাত। পরিণীতানারী, বিবাহিতা रही । भाध, भीला, मङ्गंनिविभिका। প্রতিকুলবাসিনী, ষামীকুল-্বাসস্থানা ত্রী। খূৰ্ত্তা, শঠতা। क्रोनीश्वत, शत्राभश्वत। নিরোজিত, নিযুক্ত। व्यनाय, वन हिन् विधान, वावश्वा। 🦓 व्यन् छिठ्कार्या, व्यातक-্ ক্ষে

আলাপে, সভ্যাসভ্যবাক্যে नी हा অভদ্ৰ, অপরাধ, मित्र । **अथ्यांमरमम्बर्स, धनमरम-**মতহয় | चाहत्रन, वानहात्। অন্যায়ভংগনা, অনুচিত্ত निन्म। 1 नक्षांम, बीज़ंग। व्यवश्चर्थन, मूथावहन। मन्धिकमः नहां कए, व्यक्षिक मत्मर्युक । পরিঅছ, এছণ। বচনবিন্যাস, বাক্প্রবন্ধ। সন্দেহ, সংশয়। मुथमार्ड'र्ग, मुथाजार्ग। আশা, ভবসা। निर्माल, इ.म वाशाहरत्र, वनाकार्छ। षञ्चमितित्राक्ष, षाकः-गरशका প্রত্যাখ্যান, নিরাকরণ। मनागर, मदम्बा महासूख्य 2वत, महाबात।

অর্থ

অপমান, অ-व्यवगानना, A 44 विकादन, निक्ता উদ্ধেষ্টাৰ, ছুটা গ্ৰহণ্ডি द किषानि डातक विवात, নিশংলবছ্ৰাক্য বলিবার[|] প্রতীতি, বিশ্বাস। षावुडाधः उक्ति ভাব, তাতপৰ্যা (भाभन, अकरा। প্রিণণেই, পাণিকাহণেই। मत्रक्रम्य।, विग्धं नमन। ध्याहिक हा, महला खाव देव প্রতিজ प्रयोका, कुर्वाका। কোপানিউ, রাগান্তিত। পঞ্চিল, পঞ্চময়। পভিত, ভাষ্ট, পাণী। কলন্ধিত, অপ্যশাস্থিত। কণ্প, উপার। বাস্ত, वाश्। मानवननाः मलिनवनना । वषद्रा, वित्रर्घविशिष्टा।

প্রভূাৎপন্নসভিন্ধ, আভিকা ভ বুদ্ধি। প্রসিদ্ধ, সিদ্ধা! छेनारदन, छेलमा। অক্তকাৰ্য্য, অসফল। नवमानिकामण्डल,नवमहिन क पुरक्त तमस्या। কুতপুত্র যে কোন শিশুকে यहेष्डा भूका क शुर्व कति না পুজেরন্যার প্রতিপা লনকরে তাহাকে ক্তপু-3334.5 घ ध्वान, नक्षायन । অপরিচিত, অক্সাত। অনায়াসেই, অক্লেশেই। मञ्जाजीत्यः, समानवर्श्हे। প্রবঞ্দাবাকা, প্রভারণার क्था। वियहांतक, धनमदममञ्जा वनीकद्रवं, भविनद्वीयरिक দারা আয়ত্তকরণ। জन्यावित, आक्रन्य। यजार्गमक, श्रुक्त ग्रीका देनशूना, निश्ना ।

🕬, র গাহিত।। खनग्रं, खश्रधान। পাষাণহৃদয়ে, প্রন্তরেরস্বর্ক- তিশয় প্রধানত্ব আছে। শ্মনে | काञ्चनमार्थन, श्रीवनमान ।। काउत्ररहत्न, ज्युनैवर्शात्का। মনস্তাপ, দুঃখ পরीका, मनमन्तिद्व हन ! প্রস্পরের, উভয়ের । শক্রভাতে, বৈরিভাতে। বন্ধতা, মিত্রভা। প্রথাবসিত, নিরুষ্ট। চাতুরী, প্রবঞ্না। অপ্রমাণ, মিখা। क्रमा প্রমান মথার্থ। यथार्थवानी, मटावादी। জ্ঞান্ধের, অবভের। বিবাদার্ভ্ত, কলহোদাম। জন কি? ক্রমাগত বিবা- পাতকের, পাপীর। म आवभाक कि । পত্নী, खी!

্র পত্নীর উপর পরিণেতার-.সর্বভোমুখী প্রভুতা অ-উদারস্বভাব, সরলস্বভাব 🛭 ছে, স্ত্রীরোপরি পতির সা-**প্র**ङाग्ग्यूच, গমনাভিমুখ मद्रायनश्रत, जार्शिका **ह**रक । ্ স্বাতস্থ্যব্লয়ন করিতেছে। স্বত্রে শ্রের করিতেছে। পতিবুতা সাধী। 'বুদ্রি, কর্মা: - শূেষ,কৰ বা। প্রবঞ্চনা, প্রতারণা । গরপ্রভারণা, অন্যের প্রব-্ প্রাণান্তে ও, মৃত্যুংইলেও। পরিণয়াপরিগুহেপ্রয় হয় ना,शत्सी धश्रः कत्र इस् ना পরকীয়, অন্যের। महिला, नादी। উত্তরোত্তরবাকছলে প্রয়ো অধর্মভয়ে, পাপাশকার। (शीवर, मधान। ं श्राविजनया, श्रविकना।।

অর্থ (৮১) শক তথ

निक्षपुत्रत्यता, मञ्जनामि ना- अिंडातीत्व, बांतभानत्व ধনব্যক্তিরা। চক্রবন্তীলকণ্ডার, রাজ किम्युख । भूनित्भोद्ध, भूनिष्ठ्हिलात विचारसारकृत्नेनस्तन, व्याण्ड-পুদ্ৰ। অভিকৃচি, বাঞা। विनीनं, विखीनं। অনুগামিনী, পশ্চাছত্তি না डेबाना, डेश्किकिडि । धाननागतन, धनामनाफ्र। विश्वा क शिर्टिएम ट्टिट्रिन ।

রাজসমীপে মাসিয়া, রা-জার নিকট উপস্থিত হ্-इया। र्याजिङ ग्रामः। ्राम (शिर्श) এই সমুদর তী শুটা হার্প ুর্থকাশী সঞ্জ দেশতীর্থ) আছে। িজ্যোতিংপদার্থ, তৈ**জ্মবস্ত** প্রত্যাখ্যানকরাগিয়াছে। कावि-। च उन कतार रेशाहर नप्रनाशास्त्र, नर्गानस्य।

सह समा।

পতিত হইন। রোহিত মংসা, 🚁 নাচা 🖐 জীবিকানিকাৰ, প্রাণধারণ ধীবরের জালে পতিতহইল আঘাণ. **टकटलत्रशाद्याद्यक्रम्हेल । जामियशक्, म**्रात्रशक्त। উलामिङ, जार्मलंद। वानदन, वाकादन।

भनित्न खुछ हरेन, करल भगत्रशान्तर, नगंदरक्र य ग्रा मन्द्रिम, मनिका घरूक्ष्र, जुना, मर्ग ।

পুরস্কার, পারিভোষিক। স্তিপথে আৰুত হইল, ম-নে পড়িল। বিলাপ, শোক। পরিতাপ, জুঃখ। হতাখাস, নৈরাশ। নিৰংসাহ, নিৰূপণ। वाककार्याभर्यात्नाहना,ता-क्रकार्या ठर्क।। मासुनार्वाका, अद्योधवाका পরিভাজ, ভাক্ত। बाक्गानाश, कथाराखा। শোক্সাগরে, দঃখেরস্বাপ সমুদ্রে! नत्रनयूशल, मुहेहकू। व्यमवरे वार्यावारी विश्वनि निर्द्याध, वृक्षरहिङ न कतिए लाजिन। চিত্রবিনোদার্থ, মনপ্রফ্ল। মোহের, অচৈতন্যের। করিবার জন্য। श्रमपदान, क्लकनामित्व শোভিত বনে। সুশীতলশীলাতলে, অতিশ- সংবরণ, শেষ। মুশীতল প্রস্তর্থতে।

উপবিষ্ট ইইলে, বসিলে। প্রত্যাখ্যা, খ उन, अश्वी-কার। মতিচ্ছনঘটিয়াছিল, বৃদ্ধি-ভংশহট বাছিল। বাক্শক্তিরহিতেরন্যায় বো ব্রমত। उका, नीइव। উত্থাপন, উদ্ভোলন। শকু उला मह्क छ (य नकत कथाक दिलाम, भकुछ नात जगु (य. मक्न विकाद িল'ম। পরিহাস, হাসা! व छविक, यथार्थिक। ं ७ ष्टेर्डनाशिन, कुन्त् । श्रमश्वरूरन, खळाखेतारका। অভিভূত ন্যা প্রাকৃতজনের ই, নীচবাক্তি बाइ। বিচেতন, অচৈতন্য 1 প্রবোধ, সান্তন।

শন্দ অর্থ (৮৩) শন্দ অর্থ

विष्विश्वभारमात्रभागः विष्ये अभाग्निकः 'नद्रमासुक्रकत्व युक्त आत्र १८३० म १३ 774 क्तुद्धत्वरत्वात, विष्ठृता विश्वका जुलि। াবণপারুগ-একরের রং রা-万才和 : दिस्याहर, मुक्ता পিবরে পাত্র। নিরাশা নির্ভাষা। বাত্ত, ন্র্দা ভবিতব্যেরকথা, বিধিনিক नेशी दश, निक्रा ं अक्रकर्श निवस्तकर्थ ! পিত বাকা। कमनीत् मः न इतः মুগড়ফাকার মুণালপামায় িপিপাস', তৃঞ্।। ानित्रत. नत्यः मत् । इत्यापः निर्मालयम् । । आमित्रापृत्ती उलनिर्माल खुल (मास्तिमः, भरेत द्रापतः a come file of frequency **উদরে, গর্জে**। 品信贷 医坏疽 电声路格 ষ্থে(চিদ্পরস্থার, উচিড হইয়। মূণত্ফিকায় পি-काम भारति करिएक छै-MITTER NA. · 制造电影/李信、看到图片 কোমল কলপল্ল, নর্ম অঙ্গ, জি। বন্যবহা নারী ভ্যাপক-রত তাহার প্রতিমূত্তি टिव्यात, उ९ मना। দৰ্শন ক'াত্তেজি। উদেশ, अञ्चर । অন্তাপানলে শোকস্কপ িড গিনেছনে, মনোরঞ্ टार्स किमिन्न ह অগ্নিতে। চিত্রফলক, **অভি**তেজন। সঙ্গেল, স্বাধীনে । अक्रमोस्टेन, अरक्षत्रमान इञ्चरः, हजूकिन। र्था। ভেম্ব, প্রটেন।

ক্রীড়া, খেলা। শিরীষ, वृक्षवित्य। षाञ्जलन, क्ष्मन। . প্রতিহারী, দ্বারপাল। ममर्भन, जर्भन। বিষয়, ছঃখিত। नाश्याजिक, तिरमनीत मण यमर्थ, यात अत्मा ! माश्रत । প্রাণবিয়োগ, মৃত্যু। নিঃসন্তান, পুত্ররহিত। অধিকার, প্রাপ্য। জাত্মত্ত হন্তগত, আগনা **েলপ, ४:শ।**(त च सङ। উপাজ্জিতধন,সংগৃহীতঅর্গ আক্রেপের, ছঃথের। লোকান্তর, মৃত্য। श्चि, प्रशा অকারণে, মিন্যা। পরিতাপ, ছুঃখ। অতীত, শেষ,অস্তঃ উপস্থিত, কর্ত্তমান। ष्मसूशिहर, छविषार। । मानव क्या कार्या, উত্তরাধিকারী, মৃত্ধনের-অধিকারী।

वारमभ, वाखा। यांखानिङ, यांनिनड। স্থাগত, কুশন প্রশ্ন। অগ্যনপরিগ্রহ করিতেবলি-लেन, जामन नहें उ विनित्न। पूर्णान, मृके। मान्य देनडा। विसम्भव्, कटाग्रदेवति। क्रमेंह, यहादक मुह्त्यदक ङ श क्वः योग । नमनः भागनः। অনুগৃহীত, চেফাঘিত। किशक्तित्वहिविभिन्न, नित्तत्र क्राः। **श्र्यादलाइना न सम, दम्यून** সমজী, বশীভুত। (मवरलाक, भर्ग। প্রস্থান, গ্রম। সপ্তম তাক্ষ পরাজ্য কর্মে। ব্যাপুত, নিযুক্ত।

ममाधार्मन शतः मन्तर्भा कहा। स्ट्रांत भौति। " 213 গুরুতঃ সংকার, । রুলের ব্যারিকাছে। MALL! নিত্ত, একান্তঃ व्यत्भगुक, व्याभा। সাঙ্কাশ, রোগ সুপত। পুরুত, জা চাড়াও ! অসহ চিত্ত সপ্রক্র। অলোচন, স্বাধান । স্থাগত, আগতা अस्तरमगरका, असेत्तर भाउत्वाधक, महे हैं भाउ ভার সাক্ষাতে। हेश:बन्दर देशविके। ब्राउ, ब्राज्यकात । अन्द्रहरू अन्द्रिश म भाउमाल , शूरण्यहमानाः अतिमानतः अन्न छ्ठात । মহোপ্ৰার, স্তিশ্য উপ ্যাব্নীয়, বত। 季[3] जुङ्गवाल, योष्ट्रवाली নিরুপদ্ধর- উৎপাত রহিত। হিংস , গরানিটা : धनाश्राम, अस्त्रामा প্রভাবে, শহুর প্রহাপে।

्रेडियन, जेड्सक्ट्रा 🕻 প ীিমান হইতেছে: দুটি ে 😅 ব বইতেছে। · 有效: 2017:1738年 1 অণ্ডান স্থান বারা**জনা।** ्यामक्त प्राप्तमस्य । ' दर्शकरा कुछि । जुम्म ं भव्। द्वारती, भव्द Carra हती। अधि मृदर्धी गरहः विकर्षे জনীক লাভ, ননোবা জিভোগাজন। The state of the s मिल के महत्वा कींग, दारी। **जहा.** याशन। ं ८इय देविति है। । মদ, মত্তা। মাৎস্কা, পরস্তভ্রেষ।

देशीशास्त्र, तक्ष ভাতে, चा-नार्श। ্জত্যাবর, অনিষ্ট। অমুটিত, মনদ, ক্রুর। ্দ্রণপ্রয়ক, তরুণ বরক। কেশ আক্ষণ করিয়া, চুল ैं है। निश् উৎপীড়নকরিতেছে, সাতি-শর ক্লেগ দিতেছে। हमर्ग छ. जन्दी विड। व्यक्तिकविनीयः वक्ता है। है। मानव मिछ,मसूषा मछान। मिश्कामात्रकेश्यः मिश्का RATTERS SMET I ক্লেছরদপ্রিপুর্ণচিত্তে, প্রেম্বিক্তি, রহিছা রসপরিপ্রিত **ম**নে। আপনউরসগ্তাকে আপ ्यवीर्सा कथिउमछान्दकः खर्दानस्तितः, कर्ना কেবলে আছ হয়, প্রেম আশালতা, ইচ্ছার স্বরূপ িরসে ভিজিয়াযায়। कि है। विश्वकार। निहें से स्था কিবিকাজনিক্ত বিসর্গ। বুলিভ, রাগান্তিত। मिश्रमाबद्यत्रामः १६ भिष्णतः वित्रकः,

উপদ্রব, উৎপাত। অসাধা, সাধ্যাতীত। अ : तातन, आतातन। मःसहनग्रात, त्यस्युङमान হস্তাসারণ, হস্তবিস্ত। लिकि उ स्ट्रेंटिंग्ड, व्यादहरे ভেছে। সূত্রকা নিভিভ। वानस्नार्थ, वाह्रसाधार्थ। গাঢ়তর, সাতিশয়। अपहिहित, अविभित्र। क्वांटड, कांट्स। उर्युक डेश्किंछ। क्ष्या क्ष्या । त्था क्ष्या विश्व वि সহাকরিতেছে, স্হিতেছে। অর্দ্ধবিন্রিত, , আর্দ্ধবাহির। मार्थक्ठ, इतिक्षित। পর্যপ্রা, সানুপুর্যাক। इका।

वायुद्धाः कृषः । भुक. देकात। श्चिकुम् विग्र है । श्रविग्र ११ मयाम विना। खना विष, खना शकात । ल्लामी सूच बातु खत, म्लामी मृ वितृ व्यूनाः विराष्ट्रम बना অনুপম অতুল্যা খোন্তমান। ত্র্বল। আকারগত, অবয়বস্থিত। মলিনবেশা, মলিন পরিচ্ছ-সৌশাদৃশা, সৌন্দ্র্যাতা। দ প্রীধানা। বিস্ময়াপন্ন আশ্চর্যান্থিত 🕦 অকসাৎ, হঠাৎ ৷ রীতি ধার। সন্ত্রীক, জ্রীর সহিত। 💛 অদৃষ্টকে, ভাগ্যকে। मदक्रमग्राम, मदक्र। व्यामात, देफाना **७४न, श**्न, मक्रत् लका, हिंदू । कमगीत, भाडात। व्यविद्याः व्यन्भवुकः। C#13, 8:41 काखनारे, भारताक नारे। व्यादन्त्राध्यसः क्षादना हना । শকুন্তল লেখন্য, শকুন্তলার-কাৰি:

निश्रं क, नद्धन । মাতৃবৎসল, সাতারস্বেহ। বৃথা । নিক্ষণ। অञ्चिष्यः, अनुमृक्षानः। महमा' इंग्रें! खञ्चनम्भवेद, न्ध्रानम्दिनत কিঃ সংযোগে, কাছার কির্থকণ পরে, কিছুসময় পরে। अमधावशातः नन्तित्। मिष्टिस दृशिष्ठि । অমুগে, দুংখে। कालयालम, कालएक राज। অপরাধ মাজনা কর,দোষ ক্ষমাকর। উমুলিভ, উৎপাটিত। ভূতলৈ, ভূমিতে। আন্তেব্যন্তে, শীঘ্র। বিগলিত, বহিষ্ক ত।

উপ্রেকা, ভাচ্চলা। শোক সাগর আরও উথলি ्रु, इ। উठिन, क्राय २ क्र्य বৃদ্ধি হইতে লাগিল। व्यक्तिवादन, महामामूर्य क्रमांकद्र, मार्जनांकद्र। ুসাফীক্ষ্য অফীক্ষের সহিত ঞ্বিপাত, ভূমিক্টেপ্রণাম। অপ্রতিহতভাবে, অপ্রতি-ঘাতৰূপে। একাধিপত্য, একেশ্বর हैक्तर्मम्म, हेक्क्रूना। महीमनृसी, हेळांशीङ्काः। विनय्वहत्न, কায়মনো-वादका। পালিতকন্যা, রক্ষিততন্যা मृगग्ना अनत्व, মগব্ধ कात्रत। শ্ব তিভ্ৰংশ, অবিশা্ত ! অণুমাত্র, লেশমাত্র। সংক্রার, স্থান, সম্ভ্রা। मःवक्ता मकीशना ।

কুপিত, রাগান্বিত।

অতিথির, অভ্যাগতের।

অমুনয় ন্তব্য স্তুতি। षां जिल्लान, भमाक्कारभञ्जान নিদ্ধারিত, নিশ্চিত। হর্ষিত আনন্দিত। मत्तक्ष्या, निर्माणास्ट 391 অকারণে, মিথ্যায়। অদ্বিতীয় অধিপতি, অত্ত-ला श्राका। ভুবনের, পৃথিবীর। छेखतक। तन् मृज्यकातन। সংস্থার, জ্ঞান। অবিলয়ে, ত্বরার। **मःवान ध्यत्रवक्ता, ममा-**চার প:ঠান, विशय, शोद। পত্নীপুত্রসম্ভিকাহারে গম ्नकत्र, जी अबर महारमत मद्भ हल। প্রজাপালন, প্রজাপোষণ। ताकामानन, ताकामगन।

भक जर्श (৮৯) भक

মহাভারত।

क्लोशनी **अवस्त** ।

দারা, ভাষ্যা। পুনঃপুনঃ, বারংবার। স্বযুদ্ধর, যে পতি শ্বয়ং স্ত্রী, প্রয়োজন, আবশ্যক। युट्डन, मः योशकरतन । বরণকরে। (र्नकाल, वगठमगरा। লক্ষ্য, শরব্য। শুনি, আবণকরিয়া। সম্পাধে, সমুখে। কুরুবংশপতি, কুরুবংশের প্রতিজ্ঞা, পণ। খ্যাত, বিখ্যাত ৷ শ্ৰেষ্ট। মহামতি, সাতিশারবুদ্ধিমান চরাচরের, পৃথিবীতে। তুলিয়া, উত্তোলনকরিয়া। অমন্ধন, অকুশ্ল। ছ (एम, फिला । ৰমিজাতু,বামজজা। निश्वरमक, क्रीत, विष्णु। ছন, শিখা। ्ष्यि, स्थिय - स्थ्निक्ति धतिः धिक्ता श्रुला, द्वीशत्स्व नम् नह (11) anale, comara l क्रम्भ, मोगर्ने। शकातनृभाद, जीया। শিরেতে, মন্তকে। व्यक्तियाः कर्गतिष हा- अकीय, भागती, मुक्छे। विद्या । শুভু, শ্বেত। मनग्रक, हम्हन। विकात- काः म्या মোহিত, মুগ্ধ। ধনুর্বাণ, ধনুঃশর ৷ উটেङः খরে, हिएकात्रभरम। পৃষ্ঠেতে, পিঠেতে। ানবঙ্ক, তুন, বাণাধার। পাঞ্চাল, দ্রূপদরাজ্য।

े ब्राजनवण्न, कथाकिहालन । केमांहन, क्वानि। योगां छेशयुक्ता। क्माड़ी, कना। সধার, বন্ধুর 1 ু হানি, ছেদকরিতে পারি। नानि, इस । वनर्व, वान्ध्या। নু পেতে, রাজাকর্ত্ক। উৰ্কেতে, উচ্চেত্ৰ। স্থবর্ণমংস্য সোণার মাছ। नित्रविष, नित्रस्त । षष्ट्र टिनिम्नान, जाम्बर्गतिन हिम । मृचिदेकरल, मर्भनकतिरल। ठेक हिम्लर्थ, ठकत्रका। ष्यार्थामूथ, निमुम्थ। উচ্চবাহু, शाउ छेटलानन ক্রিয়া ্ सिक्षित्वक, श्रामित्वक । অশক্য, অসাধ্যা हित्सन, हिन्तांकदतन। बछ्तात्र, बिक्र्यः।

निया, डिलामा। পূर्ণि उक्रमग्न, क्वा विक, जान्हवा। वनाथा, बनाधकात। বক্রধর, বিষ্ণু, নারায়ণ। जुलिया, উত্তোলনকরিয়া। আচ্চাদেন, আচ্চাদনকরে-न, जांदकन। शंशगमञ्चलत्र, व्यक्तित्मत्र উপরে ৷ चार्थायुथ, मानदमन। धिकता, शक्नकतिशा। উল্কার সমান, বিষ্ণুতের गात्र। বিমুখ, পরাংমুখ। थति, धतिशा। थमाहिया, श्रुलिया। श्रुम, श्रमकात। नवानशृतिमा, वितकतिया। বায় সম, বাতাদেরমত। व सः तित्कं, काकात्व। হয়ে হইয়া। তিলবৎ, তিলেরন্যায়, অত্য-र थे ७ २ ॥

ভূতলে, ভূমিঙে। विष, उपा হৌক, হউক, মাউজা जानि, ४% है । निष्ठित, आल्ड्हेरव। পণ, প্রতিজ্ঞা ঘণডাবে, পুনঃ ২ ডাকে। চায়, দেখে। ভিতে, निकटं । তথা, সেইস্থানে ! ছেনমতে, এইবাপপ্রকারে। ইথে, ইহাতে। ক্রিয়া, উপ্তিট ছট্যা। অনুষ্ঠ, মিধাণা वित्राः, উপविषे इहें 🖽 । हर्जु लिंदक, हा। अभिटक । वाकागमधन किलायानी। शर्थ, अर्जुन। আখওল, ইন্দু। न्द्र, अध्य र्हेलः 好好的事,并有不言 চিত্তে। মনে। व्यन्ति, व्यदेशर्या। खातुकान, अर्खम्। जेकीरा, जवातारा । जिलाम, जानमा আজাপেয়ে, অনুমতি প্রা- ভরাতুর, শঙ্কাকুল। ও হইয়া। ত্বরিতে, সত্তরে!

কোথাকারে, কোনছানে। कित्नत्कात्रम, कित्नत्वमः প্রশন, কুণাহিত। भारत, मकत्न। পাগল, বাতুল। পরাজর, পরাভূতা পায়, হয় ৷ ু ব্রাজগণ, ব্রাহা**নমূহ।** (कानारादक, दकाननकांदक रिश्टल, श्रेटल। , अरेभवं किंत, अधिक्रमन भाषाताम, माधानक। मंड. सृति। পাঞ্জনা, নারায়ণের শব্ देवताका, जिङ्ग्यन। युक्तिः, अविक्रिनिः हेन । আশাস, ভরসা। দত্ব, শীঘ।

বাতুল, পাগল। ভবকর্মদোবে, ভোমারকর্মা পরাধে ! मिल्टिक, निष्ट्रेटिक । मैत्राकारत, मकलरकरे। বেশাইয়া, ছঃখিতকরিয়া। পাবার, লভিবার, প্রাপ্তহ-🖔 ইবার। ধরাধরি, বলপূর্ব্বক ধরিয়া ধর্মপুত্ত যুধি छর। প্রাক্তম, শক্তি। ं छथा, (स्टेप्शरन। কোনজন, কোনব্যক্তি। বিন্ধিতে, ছিদ্রকরিতে। **उक्र**ित, অপারগর্ইন। नाक, नका। मत्त, मकत्व। উপহাস, পরিহাস। প্রয়াস; ইচ্ছা, চেফী। गारह, गाहारक। স্থরীস্থর, দেবদৈতা। বিপল, প্রকাও। ভিক্ক, অতিথি। কিবা, কি !

অজ্ঞান, বাহ্জানরহিত। অনুমান, অনুভব। षमिन, किছू न। निशा। নাহি অমনিছাড়িব, প্রহার করিয়া ছারিব। वन्थम, खडूना। তমু, শরীর। भग्रम नीलवर्ग। नीत्नारश्न,नीलयर्गेडर्भन অভা, জ্যোতি। वक्क जीव, वाधु दलशृष्त्र। অধরের, ওঠের। जुल, जुलन। . খগরাজ, গরুর। অতুল, অনুপ্র। চাৰু, উত্তম। यून्य, ब्लाफ्।। সানন্দ, আনন্দেরসহিত। मनम, जन्म। করিবর, হস্তি। ভুজ, ₹छ । আজানুলম্বিত, হাঠুঅবধি প্ৰশস্ত।

काम है। है। মহাধীয়া সাভিশয়বলবান कलटम आह्र ७. त्या ऋत । मण्याय, भटनार्। ভংগ, কয়, বর্ণ নাকরে। কুন্দীঃকুমার, অর্জন। श्चमकित् ४ इफिरक नुमत्। नमकात १ लागा (नाष्ट्राकेशः सङक्तिया। পার্থ অজ্ন। मनात, मकनकात। চিতিঃ হার্য, ভাবিতায়ঃক বিদিত, জাত। क् इन । माकार, एक्ता অন্তর্গত আনি নিত 有种的,然后的,如何分型概念。 खदक्षण। महाधन, आङ्गान। पतुमाद्यः अध्याशीक। विश्विद्यानः, श्राबिद्यमः। गर्भ आंगमत्न। বরুণ, অন্তরিশেষ। (धीठ, क्षकानम। চরণ, পাছকা।

यात, जना। বিশাত, চমংকুত 📗 टनश, मुख्न। প্রথমর, প্রথমকরর। कमालि, कुजानि। ছন্দ্রজিজনা ছ্**অবেশীত্রান্ন**্ 9 34 विष्यायात्मा न काटि। म्म, वागान। বিন। ব্যভিরেক। বংশেতে, কুলেতে। ्रम्भाई दक, छूरेन ७ ममत्यत मद्धा। अक्षार्वेश, अध्यक्तात-架下 郡(汉) প্ৰাক, জনাকে। निव्धिशा, पर्शनकितिशा । किश्च वार छ। र्वे हैं। निक्ते। अके दात शेंकाता ভুগু। তন্য, ভার্গব। , প্রসঞ্জাব। শোকাকুল, কাভরেবা'কুল

क्योंक जित्र। मग्रान्त करन, हर्ऋत्करन ্ছুকুল, ছুইদিক ৷ আচ র্যা গুরু। ত্যাজ, ত্যাগকর। মন্ত্রণার পরামর্শে। ভার গেল তরি, ভাছাতে উ ঁ काর রহিল। প্রভীতি, বিশ্বাস। বিভাবনী, রজনী, নিশি। नीजि, मञ्जादम्। ক্ষিতিতলে, পৃথিবীতে। ভ্যাজিয়া, ত্যাগকরিয়া। কল্যাণ, কুশলবান্ত্র। क्षेभतन, প্রফুল ভিঃকরণে ফাল্গুণি, অজুন। ভিতে, স্থানে। বলভদুপ্রতি, অর্নের ্ত্ৰতি। ष्यवधानः मटनार्यानः । রেবভীবল্লভ, বলদেব। ্মধ্যমপা হব, অর্জুন। শব্য পারগ। বিপক্ষ, শত্রু।

नदेन:न!:७, देननानश्डि অমুখন মুপা, অভুলাকান্তি সবাকার, সকলকার। প্রাণপণ, জীবনপ্র্যস্ত। ছন্থ, কলহ। বিদ্যোন, উপস্থিত। বলাৎকার, বলম্বারা আক্র-ত্রভা, রক্ষাকতঃ | সমুচিত, উচিত,উপযুক্ত। নিঃক্ষত্রিয় ক্ষত্রবিদ্ধ । निरमदा (मरव। অবনী, পৃথিবী। তেঁই, তজ্জন্য। চিন্তান্বিত, ভাৰান্বিত। কুভাঞ্জলি জোড়হাতে। श्वति, यानीस्तान । वागी, वाका। কনকের সোনার স্বণের मानिकन्यम, मानिदक्त 万项! বল্লভ, স্বামী। .चात्र, लूक्त∤≷ट। পুনর্বার, পুনরায়।

অর্থ (১৫) শব 🕆 অর্থ

विक्रित १. (इंग्लिट २) ন প্রাধ্যাজা। वाक अमग्र इड : । तम्ब । म.फ.११६ । जोलनी। शैनङाङि, नीहदर्। কিপ্রকারে, কিবাপে। शक्षा, दिशास। कर्िराः ग्रामा यनि जाि कुर्शनेत, मन। भाग भन्धे हैं, सिथमा नहीं, निवादत, मिट्डा 25日 4. 本 年1 क १९७५ । क र्राप्तन । **有"**有"是""。() दूर्व- ४(कि.) 图 经工作证明 * 44 T 275. 4 . F ' 割打き かみけっち 名前 (m 3、 m 3 機 15) (A) * * * * * * 南河13,与海南 P.J. 33 71 **प्र**कार में, फ्रीतिक उ

দুত, চর ৷ সম, তুল্য। मुथा, ध्वधान। व्यवसा, याशांदक् वसक्तिएड পারা যায়না। । সাঁচে, রক্ষাপায়। অহ°কার, দেয वडाएग, वडेळकात्। 🗓 🌫 সাম শক্তি থাকে। 🏲 শ শুসামূহিত উচিতদ্ও। ্ দাপ্, অহংকার। ा मार्स, मध्यत्व । ें केट्य, ब्रहाइड । कां क, कमा। बरलत छूर्फिक, जूर्च हेना । । হের, এই। । তা জি, ত্যাগকরি। ষদর চিরজীবী। ं किंगड, मधींश्रशास्त्रक। - দক্তিল, ছঃখী। ৰহুচিত, অনুপ্যুক্ত। ক। জি, অদ্য । বরিষার, ব্যা ালের।

থট্টাঙ্গ, ত্রিশূল, জাঠি। প্রলয়ের, যমের। ভাদৃশ, সেইপ্রকার। मविनश्, विनय्यत महिल। নিক্তি, নিস্তার। অপূর্ব আশ্রেম। काहिमी, वृद्धान्छ। বিলাশ্র, নফকরিব। প্রভাপ, প্রভাব। - সতী, সাধী ৷ खड़ी, मश्कृष्टि, ছাগগ সমূহ ! একেশ্বর, এক।বিপতি। गार्भ नघेकता। मानव देशका। পারনদ্র, ইন্দ্র। ं विमी भा, गरीनाइ । বিষধর সর্প। पश्चित्वक पश्चकतित्वद। गानिक, नामकतिव। কি শঙ্কা, ভযয়কি। আশ্বামিয়া, প্রবেধিয়া 🧦 প অসম্দিত, সন্থানসমন্ত্র माहिल, माभादिल।

সহিতে সহাকরিতে। প্ৰন্নন্দ্ৰ, ভীম। চতুভিতে চারিদিকে। অনুমতি, আজ্ঞা। স্বীকৃত। সন্মত थर्माताय, यू धि हेत। অনুষ্, মিখ্যা। धास, यांत्र । তরু, বৃষ্ণ 📜 🖰 वृद्धां प्रेतन ही म। নেপ্রত, পরেরহিত। मन्त्र, बका। কলেবর: শতীর। क्ट्यात, क्यातमक। কারণ, হেতু জ্না। अमार्ग, अमग्रस्थ। ्र निज्ञाशान, निर्दितः । क्रमाहात, क्रावश्व। श्रम्भि, भटमान। यदेगण, ष्याचारमना । প্রতিকার, উপকার ভাল করা। ্ষাদ্বেশ্বর, মূত্বংশেররাজা ख्वांड, विमित्र।

मह, माञ्जा नाटन अभादन । ं **क्**या श्रुप्तिक भ मत् अनुभः। **花**(2) 图(解) भौत्य रहा अंशरङ । ष्कि व । शहिन। 更有法。他有以来等,也仍然被目 要那么 事項。 माउन । वतः उन्हे स्टब्स्वरन्त ऋ दिखे। ছল, ছলন, | फेल्म स बिद्रह । Call . to a 1 1 2 1 खीर १८७० - ११० व्हेरियक स्त्रित स्विमान 可以(対かくみれ)(財) निनम् । स्या । উবেক্ত শঙ্কা। কলিভর্ষণ, স্থুত্রব্রুপ জিল। - X नन्त्न, ११ छ। সমর, যুধ্ তুর্ণ সম্বর।

তুণ নিষাঞ্চ। देवजरूषी, शक्ष्यव मरीजान প্ৰযান্তলয়নান মালা ৷ হৃষ্ট, পুলকিত। সিংহ্নাদ সিংহেরন্যায় थरपा, जारिकन। निनिद्यद्यः, मूह्दञ মেঘম'ল। মেঘসমূহ। **डेथ**ल **डेथ्**लिश्राभरत्। नाम भना। श्विन, श्वश्वकित्र । क्रमान, अमझन। অণ্ৰ স্থৱ। मिकिना, धर्मकरमंत्रस्का कराकानि स्पष्ट के स । इंडानी ईडवी। वार्थ, निकात। · 智慧 (1877) (1878) · 黄草叶 发色下午 ! নিগ্র সাস্ত্রিত। 'ইজে' হত্তে।

তরাস, ভরা

। ভুজন্ন, সপ্। খগবর, গরুর। देवशानत, अभि। বর্ষে, পতিতহয় রখোপর, রথেরউপর। প্নর্শি:, পুনর্বার । (मधहरत, संधममूह। मरशांतन, नामिन ! বাত, বাতাস ন্পতি, রাজা। जिमत, अञ्जितिस्थ, नावन। महळाक, हेज । विकाशक, महादनव। ধগ্ৰন কান্তিক। काक खावभाक। किहिंछी मुक्छ। তুরক্ত ছোটক। इन्सारमाहाति इक्रमारम . इं जनकाती। আশিষ মঙ্গলাবাদ। কমগুলু জলপাত। শव मृउत्पर। कूँक कूछ।

অর্থ

তাব্দ

শক অর্থ (৯৯) শক অর্থ ।

মক্তকেশ, এলচ্লা পশিয়া প্রবেশিরা।

অবণ কর্ণ।

উলম্প লয়স্থা দেউল দেবাগ্র।

আড়েওবে-বাডোকোড়ে ন প্রার্থী, প্রার্থীলা।

ক্রম্প অর্থা প্রান্থী।

ইটি প্রিমাল সম্প্র